दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-22 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'मनुष्य की सबसे बड़ी जीत तब होती है, जब वह दूसरों पर नहीं, अपने क्रोध, अहंकार और कमजोरियों पर विजय पा लेता है। '

जनगणना: लाखों कर्मचारियों के 2 साल बैन रहेंगे ट्रांसफर, काम नहीं करने पर जेल

जाति नहीं बताने पर मिलेगी सजा, जुर्माना भी वसूलेंगे:

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। प्रदेश में नए साल से लाखों कर्मचारियों के तबादलों पर अगले 2 साल तक रोक लग जाएगी। 1 जनवरी से जनगणना होगी, जो 2027 तक पूरी होगी। इस बार जातिगत जनगणना भी होगी। इस काम में 2 लाख से अधिक कर्मचारी-अफसरों की ड्यूटी लगेगी। विशेष परिस्थितियों को छोड़कर तबादले नहीं होंगे। कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, शहरी निकायों के आयुक्त, जनगणना में प्रगणक लगे शिक्षक, पटवारी, ग्राम सचिव इसके दायरे में आएंगे।

क्षेत्रीय जनगणना निदेशक बिष्णु चरण मल्लिक का कहना है कि जिस तरह चुनावों के दौरान पैटर्न रहता है उसी तरह जनगणना का रहता है।

जनगणना में 2 लाख से ज्यादा कर्मचारी-अफसर लगेंगे

जनगणना के काम में करीब 2 लाख कर्मचारी और अफसर लगेंगे। घर-घर जाकर जनगणना करने के काम में करीब 1.60 लाख प्रगणक लगाए जाएंगे।

करीब 30 से 40 हजार सुपरवाइजर और अन्य अफसर रहेंगे। ज्यादातर शिक्षकों और स्थानीय निकायों के कर्मचारियों को ही जनगणना के काम में लगाया जाएगा।

1000 रुपए तक हो सकता है जुर्माना

जनगणना एक्ट-1948 के अनुच्छेद 11 के प्रावधानों के अनुसार जनगणना अधिकारी और कोई भी व्यक्ति कानूनी रूप से इस काम को करने और सहयोग करने के लिए बाध्य है।

यदि कोई भी व्यक्ति या कर्मचारी जिसे जनगणना का कोई भी काम दिया है, वो उसे करने से मना करता है या इसमें किसी भी तरह की रूकावट या बाधा पैदा करता है तो उसे 3 साल तक की जेल और 1000 रुपए तक जुर्माना हो सकता है। अगर कोई जानकारी नहीं देता है या उससे जानकारी छुपाता है या जनगणना नहीं करने देता है तब भी 3 साल की सजा हो सकती है।

शहरों में नगर निगम आयुक्त प्रमुख जनगणना अधिकारी

नगर निगम में आयुक्त को प्रमुख जनगणना अधिकारी का पद दिया गया है, जबकि नगर निगम या नगर परिषद के अतिरिक्त आयुक्त या आयुक्त को नगर जनगणना अधिकारी का पद दिया है।

नगर निगम के जोन उपायुक्त और नगर पालिका के ईओ को चार्ज जनगणना अधिकारी का पद दिया है। नगर निगम, नगर परिषद और नगर पालिका के राजस्व अधिकारी को अतिरिक्त चार्ज जनगणना अधिकारी का पद दिया गया है।

1 जनवरी से प्रदेश में प्रशासनिक सीमाएं सील होंगी

1 जनवरी से प्रदेश भर में जनगणना के लिए प्रशासनिक यूनिट सील हो जाएंगी। जल्द ही गृह मंत्रालय इसके बारे में अधिसूचना जारी करेगा। अभी 31 दिसंबर तक नई प्रशासनिक यूनिट बनाने की छूट है। 1 जनवरी से नए जिले, नए उपखंड, तहसील, नए गांव, नए वार्ड बनाने और उनकी सीमाओं के बदलाव पर रोक लग जाएगी। गांव या शहर के किसी वार्ड तक की सीमा में कोई फेरबदल नहीं किया जा सकेगा।

2027 में मई-जून तक जनगणना का काम पूरा होने तक यह रोक रहेगी। रोक हटाने पर गृह मंत्रालय अधिसूचना जारी करेगा।

इस बार जातिगत जनगणना होगी

पहली बार देश- प्रदेश में डिजिटल जनगणना होगी। इसके लिए कर्मचारियों को टैब दिए जाएंगे, मौके से ही टैब के जरिए ऑनलाइन ब्योरा अपडेट होगा। इस बार जातिगत जनगणना भी होने जा रही है। पहले फेज में अप्रैल 2026 से सितंबर 2026 तक मकानों की लिस्टिंग और गणना का काम होगा।

फरवरी से जनगणना की ट्रेनिंग शुरू होगी

फरवरी से जनगणना के काम में लगे अफसर-कर्मचारियों की ट्रेनिंग शुरू होगी। पहले संभागीय आयुक्त, कलेक्टर और एसडीएम स्तर के अफसरों की ट्रेनिंग होगी।

5 करोड़ के चावल घोटाले में आरोपी गिरफ्तार, चावल बरामद:फतेहाबाद एसपी सिद्धांत जैन आइपीएस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ)। जाखल पुलिस ने मात्र 5 दिनों में त्वरित कार्रवाई कर 5 करोड़ की ठगी के मामले को उजागर कर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने ठगी किए गए धान के 9300 बैग भी बरामद कर लिए हैं। यह जानकारी पुलिस कप्तान सिद्धांत जैन ने आज प्रेसवार्ता में दी। एसपी ने बताया कि गत दिवस करनाल के एक परिवार का तीन फर्मों गंगा फुड, गंगा ओवरसीज व श्री श्याम फुड ने टोहाना, जाखल, पातड़ा चीका व आस पास की चावल मिलों से 10 हजार बैग बासमति धान खरीदा मगर भुगतान नहीं किया। इस पर जाखल टोहाना की भारती राईस मिल, लक्ष्मी राईस मिल, गोपाल राईस मिल ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज करवाया। मिल मालिक चावल वापिसी की उम्मीद छोड़ चुके थे।

एसपी जैन ने कहा लेकिन जाखल पुलिस ने करनाल के दंपत्ति व फर्म हिस्सेदारों का न केवल करनाल से गिरफ्तार किया बल्कि पानीपत के गांव छाजनपुर स्थित गोदाम से 9300 बैग चावल रिकवर कर टोहाना ले आए हैं। थाना जाखल पुलिस ने एक महिला आरोपी और आरोपी संदीप उर्फ मोनू, निवासी करनाल को गिरफ्तार किया। जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपी संदीप उर्फ मोनू आदतन श्रेणी का अपराधी है तथा इसके विरुद्ध पहले से निम्नलिखित 03अभियोग दर्ज हैं। इस मामले में संदीप उर्फ मोनू पुलिस रिमांड पर है। उल्लेखनीय है कि जेनव राइस मिल (पातड़ा), महादेव, स्वास्तिक व केशव राइस मिल (चीका), गोयल इंटरनेशनल राइस मिल (असंध) का 70 लाख रुपये कीमत के धान की ठगी की गई। इसी तरह लक्ष्मी राइस मिल, जाखल का 85 लाख रुपये, गोपाल राइस मिल जाखल का 35 लाख रुपये, मारुति राइस मिल टोहाना से 70 लाख रुपये के ने धान की ठगी की गई। एसपी बताया कि आरोपी संगठित गिरोह की तरह काम करते हैं और चावल मिल मालिकों को चावल निर्यात का झांसा देकर माल खरीदते हैं।

नीमराना पंचायत समिति सभागार में जनसुनवाई शिविर: कई विभागों की समस्याओं का मौके पर हुआ निस्तारण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र। पंचायत समिति सभागार में गुरुवार को जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पंचायत समिति की प्रधान संतोष बलवान यादव ने की। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को लेकर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। प्रधान संतोष बलवान यादव ने बताया कि जनसुनवाई शिविर का उद्देश्य आमजन की समस्याओं को एक ही स्थान पर सुनकर उनका त्वरित समाधान करना है। शिविर में उपस्थित अधिकारियों की मौजूदगी में कई विभागीय शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर में स्वच्छ भारत मिशन, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, सोशल सिक्योरिटी पेंशन, जन आधार कार्ड, खाद्य सुरक्षा योजना समेत विभिन्न योजनाओं से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने

ग्रामीणों की समस्याओं को विस्तार से सुनकर तात्कालिक समाधान के निर्देश दिए। ग्रामीणों के नाम, उनकी समस्याओं का विवरण तथा आवश्यक दस्तावेजों को पहले रजिस्टर में अंकित किया गया, जिसके बाद संबंधित विभाग के अधिकारियों के माध्यम से समाधान की प्रक्रिया शुरू की गई। शिविर में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों को त्वरित राहत मिली। कार्यक्रम में बीजेपी पूर्व जिला अध्यक्ष बलवान सिंह यादव, ब्लॉक विकास अधिकारी नरेंद्र शर्मा, सहायक विकास अधिकारी अभय सिंह यादव, ओमप्रकाश निर्मल, प्रशासनिक अधिकारी चित्रपाल सिंह चौधरी, लीलाराम जाट, ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी कुसुम गोयल, जलदाय विभाग के सहायक अभियंता रामवीर वर्मा, चिकित्सा विभाग से बीपीएम नरेंद्रपाल सिंह, अकलिमपुर सरपंच संजीव यादव, ग्राम विकास अधिकारी उमेश यादव, मंजू यादव, महावीर सिंह यादव, कनिष्ठ लिपिक अलका मीना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा रिटायर्ड कर्मचारी संघ की बैठक 13 को अटेली में

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण। हरियाणा रिटायर्ड कर्मचारी संघ अटेली खंड की बैठक 13 दिसंबर को कस्बे के हनुमान मंदिर पुराने बस स्टैंड पर होगी। रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान बलबीर सिंह ने बताया सरकार रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को अनदेखा कर रही है। भारत सरकार अपने बिल में विधेयक में रिटायर्ड कर्मचारियों को लाभ से वंचित करना चाहती है। रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों को लेकर आगामी 17 दिसंबर को पूरे देश में रिटायर्ड कर्मचारी संघ फेडरेशन के तत्वावधान में जिलेवार उपायुक्तों को ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रधान ने अटेली में होनेवाली बैठक में जयादा से ज्यादा कर्मचारियों के पहुंचने की अपील की ताकि 17 को होने वाले प्रदर्शन को सफल बनाया जा सकें।

नयागांव के पास खेत में गिरी सीमेंट की गाड़ी, ड्राइवर बाल-बाल बचा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

काली पहाडी नयागांव के पास आज एक सीमेंट का खाली टोला झज्जर से गाड़ी खाली करके कोटपूतली जा रहे थे, जो नयागांव के पास एक खेत में नीचे उतर गया। दूसरी गाड़ी को बचाने के चक्कर में गाड़ी का संतुलन बिगड़ गया और वह खेत में जा गिरा। गाड़ी का नंबर ॥₹47 ष्ट 1790 था और ड्राइवर दिलीप पुत्र वासुदेव बांका जिला बिहार का रहने वाला था। गनीमत रही कि ड्राइवर दिलीप को कोई चोट नहीं आई और जनहानि होने से बच गया। यह गाड़ी रात को 8:00 बजे नीचे गिरी थी और सुबह 10:00 बजे हाइड्रा बुलाकर के फिर उसे टोचन करके उसको खींचा गया और रोड से ऊपर उतार करके बाहर निकल गया। किसी भी तरह का नुकसान होने से बच गया। सुबह 10:00 बजे हाइड्रा बुलाकर के गाड़ी को खींचा गया और रोड से ऊपर उतार करके बाहर निकल गया। इससे गाड़ी और ड्राइवर दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

अटेली तहसील के नंबरदार मांगों को लेकर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत व मंत्री आरती को नारनौल में ज्ञापन सौंपेंगे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण। अटेली तहसील के नंबरदारों की बैठक अटेली अनाज मंडी में गुरुवार को जिला प्रधान रणबीर सिंह की अध्यक्षता में हुई। जिसमें नंबरदारों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह व स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के 13 दिसंबर को नारनौल में आगमन पर उनकी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। अटेली तहसील प्रधान रमेश नंबरदार ने कहा कि अटेली तहसील के नंबरदारों को जिले की दूसरी तहसीलों के मुकाबले कम मानदेय मिलता है, वेतन का टीडीएस का काट दिया जाता है। इस बारे में अनेक बार प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कर दिया है

लेकिन ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नंबरदार राजस्व विभाग में प्रशासन व आम आदमी के रूप में एक कड़ी के रूप में कार्य करता है। नंबरदारों की नियुक्ति की फाइलों को चलाया जाए जो लंबे समय से पेंडिंग है। 73 वर्ष के नंबरदारों का मानदेय शुरू किया जाये। तोबड़ा के नंबरदार भूपेंद्र खर्ब ने कहा कि नंबरदार राजस्व विभाग में प्रशासन का काफी कार्य करते है तथा गलत रिकार्ड दर्ज होने से बचाते है। इस मौके पर मास्टर धर्मेंद्र मिर्जापुर, नंबरदार भूपेंद्र खर्ब, जयपाल, अतर सिंह खारीवाड़ा, कृष्ण कुमार, सुनिल नंबरदार, रामनिवास नंबरदार, लक्ष्मीनारायण, वेदपाल नंबरदार, प्रकाश चंद सहित अटेली तहसील के अनेक नंबरदार मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत का दौरा : सूचना केंद्र में आयोजित सभा को करेंगे संबोधित

सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियां बताएंगे

रथ यात्रा को दिखाएंगे हरी झंडी

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री अविनाश गहलोत शुक्रवार को झुंझुनूं जिले के दौरे पर रहेंगे। मंत्री गहलोत सुबह 8 बजे जयपुर से प्रस्थान करेंगे और लगभग 11 बजे झुंझुनूं पहुंचेंगे। यहां जिला कलेक्ट्रेट परिसर में 11.30 बजे 'राजस्थान सरकार के 02 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बढ़ता राजस्थान-बदलता राजस्थान' विषय पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। मंत्री गहलोत पत्रकारों के साथ संवाद कर सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों एवं महत्वपूर्ण निर्णयों की जानकारी साझा करेंगे। इसके बाद वे सूचना केंद्र में आयोजित सभा को भी संबोधित करेंगे। जिसके बाद वे प्रचार रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। झुंझुनूं कार्यक्रम के बाद मंत्री गहलोत चूरू के लिए रवाना होंगे।

मैजिक शो आज बगड़िया स्कूल मे, जादुगर आंचल दिखायेगी हैरतअंगेज कारनामे

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

जादू की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाली मशहूर युवा जादूगर आंचल 12 दिसम्बर को प्रातः 11 बजे लक्ष्मणगढ़ में अपने जादुई प्रदर्शन से लोगों को रोमांचित करने बगड़िया स्कूल आ रही हैं। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयो, संस्थाओं से विद्यार्थी व अन्य लोग जादू का कमाल देखने बगड़िया स्कूल पहुंचेगें। आंचल ने अब तक देश के कई राज्यों के साथ विदेश में भी अपनी कला का प्रदर्शन कर चुकी हैं। कार्यवाहक प्राचार्य दिनकर प्रसाद पुजारी ने बताया की न्यूनतम दर पर टिकिट काउण्टर बनाये गये है। जिनमें बगड़िया बाल विद्या निकेतन , गोयनका क्रिएशन सहित पांच स्थान तय किए गए हैं।

उपभोक्ता आयोग में न्याय टेबल लगेगी

राष्ट्रीय लोक अदालत की प्री-काउंसलिंग होगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं।

वर्ष 2025 की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत 21 दिसम्बर रविवार को आयोजित होगी। जिसमें अधिकाधिक उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग में न्याय टेबल लगेगी। उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार मील के द्वारा विगत वर्ष किए गये न्याय टेबल नवाचार के सुखद परिणाम मिलने के

साथ ही बड़ी संख्या में लोक अदालत की भावना से प्रकरणों का अंतिम रूप से निस्तारण होना सम्भव हो रहा है। उपभोक्ता आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार मील ने बताया कि प्रकरणों का त्वरित न्याय सिद्धांत व उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम की मूल पवित्रता से निस्तारण करने के लिए न्याय टेबल पर पीड़ित उपभोक्ताओं एवं सेवा प्रदाताओं को एकसाथ बैठा कर समझाइश करने का राष्ट्रीय लोक अदालत की प्री-काउंसलिंग कार्यक्रम सोमवार 15 दिसम्बर से शुरू किया जायेगा, जो पूरे सप्ताह चलेगा।

विद्यार्थी परमाणु ऊर्जा और युरेनियम उत्खनन के बारे जानकारी प्राप्त करके हुए खुश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा। भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग की टीम ने जन जागरूकता कार्यक्रम में गुरुवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय छापोली में विद्यार्थियों और स्टॉफ को परमाणु ऊर्जा के बारे में विभिन्न जानकारी साझा की तथा परमाणु शांतिपूर्ण उपयोग के बारे में बताया। परमाणु ऊर्जा और यूरेनियम उत्खनन के बारे में जानकारी प्राप्त करके विद्यार्थियों को खुशी प्राप्त हुई। इस दौरान ACBEO महेंद्र सैनी, प्रधानाचार्य विशाल गुप्ता, व्याख्याता नरेन्द्र जालोपिया, अशोक बॉयल, पवन मीणा, केशर लाल सैनी, सरिता गुप्ता, कमलेश कुमावत, विकास निर्मल,मोहम्मद सलीम, सुरेश सैनी, हरेंद्र वर्मा, रामस्वरूप, महिपाल यादव सहित सम्पूर्ण स्टॉफ व विद्यार्थी उपस्थित रहें।

अमेरिका ने पाक पर लगाया करोड़ों डॉलर का दाँव, बलूचिस्तान के बारूद पर बैठकर सोना खोदेंगे ट्रंप !

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबाझसोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहां 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है।

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान के सबसे अस्थिर और विद्रोह-ग्रस्त प्रांत बलूचिस्तान में स्थित रिकोडिक (Reko Diq) तांबा-सोना खदान के लिए 1.25 अरब डॉलर के यूएस EXIM बैंक वित्तपोषण को मंजूरी दे दी है। यह वही परियोजना है जिसे वर्षों से सुरक्षा संकट, राजनीतिक विवाद और बलूच विद्रोहियों की हिंसा ने कभी आगे बढ़ने नहीं दिया। इस निवेश के साथ निकट भविष्य में 2 अरब डॉलर तक की अमेरिकी मशीनरी और सेवाएँ पाकिस्तान भेजी जाएँगी। अमेरिकी चार्ज द'अफेयर्स नटाली बेकर ने कहा है कि यह परियोजना अमेरिका के लिए 6,000 और बलूचिस्तान में 7,500 नौकरियाँ उत्पन्न करेगी। उन्होंने रिकोडिक को दोनों देशों के लिए लाभकारी आदर्श मॉडल बताया है।

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबा-सोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहां 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है। इस परियोजना का 50% मालिकाना बैरिक के पास है, जबकि पाकिस्तानी संघीय व बलूचिस्तान सरकार के पास 25-25% हिस्सेदारी है। रिपोर्टों के अनुसार इस परियोजना से 37 वर्षों में 70 अरब डॉलर से अधिक मुक्त नकदी प्रवाह उत्पन्न होने की संभावना है।

हालाँकि, सुरक्षा खतरे सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। बलूच विद्रोही गुट लगातार सेना, खनन परियोजनाओं और विदेशी निवेश पर हमले करते रहे हैं। हाल ही में बलूच नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कोई भी विदेशी निवेशक बलूचिस्तान के कब्जे को वैधता देने की गलती नहीं करे। बलूच नेशनल मूवमेंट के अध्यक्ष नसीम बलूच ने इसे बलूच जनता की संपत्ति पर पाकिस्तानी कब्जे को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। इसी बीच विश्व बैंक की क्लब, एशियन डेवलपमेंट बैंक और अन्य वैश्विक उधारदाता 2.6 अरब डॉलर से अधिक का वित्त पैकेज जोड़ रहे हैं। साथ ही सऊदी अरब की मनारा मिनरल्स भी 10-20% हिस्सेदारी खरीदने पर बातचीत कर रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल वही है कि क्या पाकिस्तान इतने लंबे समय तक सुरक्षा, बुनियादी ढाँचे और राजनीतिक स्थिरता की गारंटी दे पाएगा? देखा जाये तो अमेरिकी निवेश ऐसे समय में आया है जब वाशिंगटन चीन-

प्रभुत्व वाली खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं से बाहर निकलने के लिए नए स्रोत तलाश रहा है। फिर भी, रिकोडिक पर यह दाँव एक हाई-रिस्क जुआ माना जा रहा है।

यह भी देखने में आ रहा है कि रिकोडिक में अमेरिकी निवेश सिर्फ आर्थिक सौदा नहीं बल्कि यह भू-राजनीतिक शतरंज की बिसात पर फेंकी गई भारी-भरकम चाल है। पाकिस्तान इसे बड़ी जीत बताकर छाती ठोक रहा है पर असलियत यह है कि अमेरिका ने यह पैसा दक्षिण एशिया के सबसे अस्थिर इलाके में आग से खेलने के अंदाज में डाला है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका क्यों आया? सवाल यह है कि वह इतना देर से और इतनी जगह पर क्यों आया?

हम आपको बता दें कि यह निवेश उस समय हो रहा है जब बलूचिस्तान में विद्रोह चरम पर है। बलूच नेता साफ चेतावनियाँ दे रहे हैं कि यह निवेश उनके लिए शोषण का नया अध्याय है। बलूच नेता कह रहे हैं कि प्रांत में दशकों से मौजूद असंतोष और सैन्य दमन को देखते हुए कोई भी समझदार निवेशक पहले सौ बार सोचे। लेकिन अमेरिका ने शायद जानबूझकर जोखिम को स्वीकार कर लिया है। ऐसा लगता है कि यह सौदा पाकिस्तानी नहीं, बल्कि अमेरिकी एजेंडे का हिस्सा है। दरअसल, अमेरिका का असली मकसद है चीन को पछाड़ना। आज की सच्चाई यह है कि दुनिया में तांबा, सोना और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स नई सदी का तेल बन चुके हैं। चीन खासकर अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में इस क्षेत्र में भारी पकड़ बना चुका है। अमेरिका बड़ी तेजी के साथ नए स्रोत ढूँढ़ रहा है और पाकिस्तान का रिकोडिक, जो तिब्बती-ईरानी खनिज बेल्ट का हिस्सा है वह अमेरिकी रणनीति में एक खूबसूरत चेकमेट जैसा दिखता है। इसके साथ ही बलूचिस्तान का भौगोलिक महत्व इस कदम को और तीखा बनाता है। ईरान की सरहद पास है, अफगानिस्तान की अनिश्चितता बगल में है, चीनझपाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) ठीक सिर के ऊपर है। ऐसे में अमेरिका एक ही प्रहार में चीन को संकेत देता है कि हम अभी भी आपके बगल में मौजूद हैं और आपके बंदरगाह (ग्वादर) के पीछे की जमीन पर निवेश करने की ताकत रखते हैं। वहीं पाकिस्तान इस निवेश को आर्थिक राहत समझ रहा है, लेकिन असल में वह एक रणनीतिक जाल में फँसता दिख रहा है। देश की सुरक्षा एजेंसियों का इतिहास बताता है कि वह बलूचिस्तान को सेना-प्रभुत्व वाला इलाका मानती हैं। पर विदेशी निवेश वहीं चलता है जहाँ जनता को न्यूनतम सहमति या सुरक्षा मिले। यह दोनों ही पाकिस्तान के पास नहीं हैं। रिकोडिक के लिए न रेल लाइन है, न स्थायी सड़कें, न विश्वसनीय सुरक्षा तंत्र। ऊपर से बलूचिस्तान में हर विदेशी निवेश, चाहे चीनी हो, सऊदी हो या अब अमेरिकी, यह विद्रोही गुटों का प्राथमिक निशाना बन जाता है। सवाल उठता है कि कनाडा की बैरिक गोल्ड इतने वर्षों में हिल-डुल भर नहीं सकी तो अमेरिका किस आत्मविश्वास से यहां आ रहा है?

अमेरिका के इस क्षेत्र में आने से यह भी आशंका है कि चीनझअमेरिका प्रतिस्पर्धा नई तीव्रता पर पहुँचेगी। दरअसल, अमेरिका रिकोडिक को चीन की आपूर्ति श्रृंखला का प्रभुत्व तोड़ने के लिए इस्तेमाल करेगा। ऐसे में पाकिस्तान दोनों महाशक्तियों के बीच रस्साकशी में फँस जाएगा। इस परियोजना से ईरान भी असहज होगा क्योंकि अमेरिका समर्थित विशाल रणनीतिक परियोजना उसकी सीमा के ठीक पास उभरना तेहरान को बिल्कुल रास नहीं आएगा। साथ ही अमेरिकी परियोजना से अफगानिस्तान का प्रभाव भी बढ़ेगा क्योंकि इसकी सुरक्षा और आपूर्ति रूट तालिबान द्वारा नियंत्रित इलाकों के बेहद करीब हैं। तालिबान इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। साथ ही इस परियोजना से बलूच विद्रोह को नई ऊर्जा मिलेगी। विदेशी निवेश उनके लिए हमेशा दमन के नए प्रतीक के रूप में देखा गया है। परिणामस्वरूप सुरक्षा स्थिति और बिगड़ सकती है।

बहरहाल, यह निवेश पाकिस्तान के लिए आर्थिक संजीवनी नहीं बल्कि शक्ति के वैश्विक खेल में एक गैंबलिंग चिप है। अमेरिका को चाहिए क्रिटिकल मिनरल्स, पाकिस्तान को चाहिए डॉलर, लेकिन बलूचिस्तान को चाहिए न्याय, अधिकार और सुरक्षा जो किसी भी सौदे में शामिल नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि रिकोडिक आने वाले वर्षों में दक्षिण एशिया की नई भू-रणनीतिक लड़ाई का केंद्र बन सकता है। साथ ही अगर पाकिस्तान ने बलूचिस्तान की राजनीतिक समस्या को सैन्य तरीके से संभालने की भूल जारी रखी, तो अमेरिकी निवेश भी उसी तरह डूबेगा जैसे पहले के तमाम विदेशी प्रोजेक्ट डूब चुके हैं। यह सही है कि अमेरिका ने एक बड़ा दाँव लगाया है लेकिन यह भी सच्चाई है कि यह दाँव जितना चमकदार दिखता है, उतना ही बारूद के ढेर पर रखा हुआ है।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'सच्ची महानता शक्ति में नहीं, चरित्र में होती है'

बदला पल भर की आग है, जबकि क्षमा जीवन भर की शांति।

मानव जीवन में शक्ति, संपत्ति और पद–ये सभी चीज़ें महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। लेकिन वास्तव में किसी मनुष्य की महानता का पैमाना इन बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि उसके आंतरिक गुणों से तय होता है। इतिहास और समाज दोनों इस सत्य के साक्षी हैं कि जिन लोगों ने अपनी सामर्थ्य के बावजूद उदारता दिखाई, जिन्होंने गरीबी में भी दान का मार्ग चुना–वही लोग मानवता के असली प्रकाश पुंज माने जाते हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।आज हम ऐसे ही दो मूल्यों पर विचार करते हैं–क्षमा और दान–जो किसी भी व्यक्ति के चरित्र की सबसे ऊंची अवस्था माने गए हैं। बलशाली होकर किसी को क्षमा करना साधारण बात नहीं। यह वही कर सकता है जो अपने मन, भावनाओं और अहंकार पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। अधिकतर लोग शक्ति मिलने पर प्रतिशोध को अपना अधिकार मान लेते हैं, लेकिन जो व्यक्ति अपने अधिकार का प्रयोग न करते हुए क्षमा का मार्ग चुनता है, वही सच्चे अर्थों में महान होता है।

क्षमा कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ा साहस है।

एक शक्तिशाली व्यक्ति जब क्षमा करता है, तो वह अपने व्यक्तित्व की उच्चता का प्रमाण देता है। वह बताता है कि उसकी शक्ति केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतरी भी है। बदला लेना आसान है, लेकिन क्षमा करना कठिन। बदला पल भर की आग है, जबकि क्षमा जीवन भर की शांति। जब शक्तिशाली व्यक्ति प्रतिशोध की बजाय करुणा चुनता है, तो वह दूसरों के दिलों में नहीं, बल्कि उनकी आत्मा में स्थान बना लेता है। ऐसे लोग समाज में सम्मान का स्रोत बनते हैं और आने वाली पीढ़ियों के लिए आदर्श स्थापित करते हैं। इसी प्रकार, गरीब होकर दान करना मानवता का सर्वोच्च उदाहरण है। समाज में अक्सर यह भ्रम होता है कि दान केवल धनवानों का कार्य है, लेकिन सच्चाई यह है कि दान का संबंध जेब की मोटाई से नहीं, बल्कि हृदय की उदारता से है। एक धनी व्यक्ति के लिए दान कभी-कभी उसकी समृद्धि का एक छोटा-सा अंश होता है। लेकिन जब एक गरीब व्यक्ति अपनी सीमित कमाई में से कुछ हिस्सा किसी जरूरतमंद को देता है, तो वह त्याग की ऐसी मिसाल पेश करता है, जिसकी तुलना संभव नहीं। गरीब का दान केवल वस्तु नहीं होता, वह त्याग, संवेदना और मानवता का अमूल्य उपहार होता है। इसे केवल दिया नहीं जाता, बल्कि हृदय से उतारा जाता है। यही कारण है कि ऐसे दान को धर्म, समाज और मानवता–तीनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त है।

क्षमा और दान– दोनों ही ऐसे गुण हैं, जो मनुष्य का वास्तविक मूल्य बढ़ाते हैं। ये गुण बताते हैं कि महानता बाहरी परिस्थितियों से नहीं आती–न शक्ति से, न संपत्ति से, न पद से; बल्कि चरित्र से आती है। जिस व्यक्ति के भीतर सहनशीलता, करुणा, त्याग और आत्म-नियंत्रण जैसे भाव होते हैं, वह सामाजिक और आध्यात्मिक दोनों ही स्तरों पर उच्च माना जाता है। क्षमा करने वाला मन को शांत करता है, और दान करने वाला समाज के दुखों को कम करता है। आज मानवता इन्हीं दोनों गुणों की सर्वाधिक आवश्यकता है। समाज को ऐसे लोगों की जरूरत है, जो प्रतिशोध नहीं, प्रेम दें; जो संपत्ति नहीं, संवेदना बांटें; जो शक्तिशाली होकर भी विनम्र रहें और अभावग्रस्त होकर भी उदार।

वंदे मातरम् पर विवाद देश की मूल भावना से खिलवाड़

मनोज कुमार अग्रवाल

इस से ज्यादा शर्मसार करने वाली बात क्या हो सकती है कि आज लोकतंत्र के पावन मंदिर में राष्ट्रगीत को लेकर खेमेबाजी हो रही है जबकि इस पर समूचे राष्ट्र को एकमत होना चाहिए था। वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पर चर्चा होने के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है।

आपको पता रहे वंदे मातरम को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वंदे मातरम की की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वंदे मातरम का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद मां, मैं आपको नमन करता हूं, है। आज 8 दिसंबर को सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। यह रचना, एक चिरस्थायी गान ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निमार्ताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अमर उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मील के पत्थर को मनाने का अवसर एकता, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। बंदे मातरम पर संसद में आज 8 दिसंबर सोमवार को विशेष चर्चा हुई और, ये ऐसे दौर में हो रहा है जब विपक्ष एसआईआर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा बुलेटिन में वंदे मातरम को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है। ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वंदे मातरम के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारे कर रहा है। संसद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वंदे मातरम् पर यह बहस केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। कांग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रगीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वंदे मातरम् की रचना की बात करें तो बॉकम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सात नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आजतक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वंदे मातरम् गीत को गाने या छापने पर भी बैन लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम ने ने भारत को मां दुर्गा के रूप में चित्रित किया इसमें सुफला, सुफला, मलयजशीतलाम...। यह गीत गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वंदे मातरम् की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया। उसके बाद 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन में यह नारा बन गया। कालांतर में इस गीत को लेकर मुसलमानों की तरफ से आपत्ति जताई जाने लगी। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् गायन के समय तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर मंच से उठकर चले गए थे। इस गीत को लेकर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति है कि वंदे मातरम् के जरिए उन पर हिंदू देवी देवताओं की पूजा का दवाव डाला जा रहा है। वंदे मातरम् में मंदिर और दुर्गा शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में तय किया कि राष्ट्रीय आयोजनों में इस गीत के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यही कारण रहा कि 1937 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् के केवल दो छंद ही गाए गए। उस समय से इसी नियम का पालन किया जाने लगा। आजादी के बाद इसे नियम बनाते हुए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित कर दिया।

संसद में व्यर्थ बातों पर नहीं जनहित पर चर्चा आवश्यक

संजय गोस्वामी

संसद में यदि बंदे की चर्चा जोरों पर है क्योंकि इसकेसाल 2025 भारत के राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम के लिए एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक मील का पत्थर होगा, क्योंकि इसके पहले पब्लिकेशन के 150 साल पूरे हो रहे हैं। बंदे मातरम पर बोलने से कोई आपत्ति करता पर तूल देना ठीक नहीं है बंदे मातरम एक राष्ट्रगान है जिसपर संसद में खुब चर्चा हुई कुछ मुस्लिम सांसद की नारजगी हुई इसे तूल मैं भी उसके जगह जय श्री राम बोलता हूँ तो क्या होगा क्योंकि जब देश में ही मिलावटी लोग हैं तो मेरा भगवान राम राष्ट्र से भी ऊपर है मैं भगवान राम को ही संसार का मालिक समझ कर उनका नाम लेता हूँ क्योंकि जब भगवान राम का अस्तित्व रहेगा तभी हम शांति और चैन से जी सकते हैं जब ऐ गान पहले से संसोधित हो गया तो मैं भगवान राम के अलावा किसी के सामने झुकना पसन्द नहीं करूँगा क्योंकि मेरे संस्कार में ही वो हमेशा रहे हैं और अन्त में राम नाम सत्य होना ही है तो अभी ही ले लूँ यहीं हमारा धर्म और उनके मयार्दा का पालन करना कर्म है अब दोनों ही एक मतलब हो गए क्योंकि भगवान राम ही इस धरती में हमें हमेशा मानवता की रक्षा और देशद्रोही से लड़ना सिखाता है एक गाना खुब चला, मेरे रोम रोम में बसने वाले राम, जगत के स्वामी है अंतयार्मी मैं तुझसे क्या मांगू।।। किसी पर किसी वाक्य बोलने से क्या फर्क पड़ता है तेरा तुझको सौंप कर क्या लागे मेरा, वाणी वही बोले जो अंतरात्मा की आवाज कहती है अंतरात्मा दरअसल आत्मा, आंतरिक स्व (inner self), या आंतरिक स्व (inner self), या जमीर, जो सही और गलत की पहचान करने वाली आंतरिक आवाज या अंतःप्रज्ञा है, जो हमें नैतिक निर्णय लेने में मदद करती है; इसे आंतरिक स्व की ज्योति या आत्मा की आवाज भी कहा जाता है, जो हमारे अंतःकरण में विद्यमान होती है। यह हमारे मन और आत्मा का वह हिस्सा है जो हमें सही राह दिखाता है, भले ही बाहरी नियम या तर्क सीमित हों अतः जो अंतरात्मा की आवाज कहती है वही बोले इसलिए हमें पहले अपने अंदर झाँक कर देखना चाहिए मैं कितना सही हूँ आज अगर भारत माता की रक्षा के लिए हमें बलिदान देना पड़े तो क्या हम तैयार हैं।अतः देश के सेना ही हमारे असली नायक हैं जो देश की रक्षा के लिए जान की बाजी भी दे देते हैं अतः देशभक्त होना जरुरी है भाषा कोई विवाद नहीं है राम यह शब्द दिखने में जितना सुंदर है उससे कहीं महत्वपूर्ण है इसका उच्चारण। राम भारत की आत्मा है जब ऐ समझ आएगी तभी देश के प्रति सेवा का भाव पैदा होगा। राम कहने मात्र से शरीर और मन में अलग ही तरह की प्रतिक्रिया होती है जो हमें आत्मिक शांति देती है।दरअसल हिन्दू की अंतिम विदाई में यानी शवयात्रा में 'राम नाम सत्य है' यह बोलकर मृतक को सुनाना नहीं होता है, बल्कि साथ में चल रहे परिजन, मित्र और वहां से गुजर रहे लोग इस तथ्य से परिचित हो जाएं कि राम का नाम ही सत्य है। साथ ही जब मनुष्य जब राम का नाम लेगा तभी उसकी सदगति होगी। इसलिए इसका मकसद यह कहकर परंपरा शुरू की गई थी कि मृतक के मरने के पीछे जब मनुष्य इतना लड़ते हैं, धर्म जाति पाती बड़ा छोटा के लिए वाद-विवाह करते हैं और अपनो से ही यश के कारण आपमें घमंड के कारण लड़ा करते हैं, लेकिन अन्य व्यक्ति को भी यह मालूम होना चाहिए कि राम का नाम सत्य है क्योंकि सबसे बड़ा घमंड जो रावण के पास आया उसको भगवान राम ने ही तोड़ा यानि जिसने इस धरती पर जन्म लिया, उसकी मृत्यु निश्चित है। इसलिए घमंड ना करें जीवन में मिल जुल कर रहे गरीबों की सेवा और सत्य की राह पर चले यही मान्यता है और इन्हीं सब कारणों की वजह से शवयात्रा में 'राम नाम सत्य है' बोलते हैं।इससे मृतक के आत्मा को शांति मिलती है शरीर मरता नहीं है क्योंकि उसमें ऊर्जा है शिथिल होता है और ऊर्जा का पतन होने लगता है बाद में यही ऊर्जा प्राण के रूप में बाहर निकल जाती है और स्थूल से सूक्ष्म में रूपांतर हो जाता है और अनुभूति होती है और राम के राम की ध्वनि से उसमें प्रभु को यादकर अपनी जीवन में हुए गलत कर्म के लिए माफी मांगता है और इस तरह वह शांति की ओर अग्रसर होता है और कई योनियों में जन्म लेने के बाद तब कहीं पुनः मनुष्य में जन्म मिलता है इसका कारण यह है की आप अपने शरीर की ऊर्जा को पहले ही कामवासना से नकारात्मक कर देते है और जब मोह टूटटी है तो आत्मा को शांति मिलती है जैसे किसी भी क्षेत्र में पारंगत होने के लिए प्रैक्टिस करना जरुरी है तब आप उसमें आप दक्ष होते है इसलिए हर समय शांति से रहना कम बोलना और समय पर सटीक बोलना उस परमात्मा भगवान राम को हमेशा याद करते रहने से आप में मौत का डर खत्म हो जायेगा और लोभ लालच में कामवासना से मुक्त होकर जब शांति की ओर अग्रसर होंगे तो सच सामने आएगा कि मृत होना एक दिन तय है इसलिए अपनी ऊर्जा सकारात्मक की ओर अग्रसर करें ज्यादा बोलने से आपकी ऊर्जा बेबजह नष्ट होती है जो आजकल संसद में वोट शुद्धिकरण पर चर्चा हो रही है घुसपैठिये, मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है और उसी का नाम एस आई आर है मुख्य विपक्षी पार्टी का एक के बाद एक चुनाव हारने का कारण इवीएम या वोट और ना जाने क्या क्या बहस हो रही है इसका मतलब यह है की पक्ष विपक्ष दोनों को आपकी नहीं अपनी चिंता ज्यादा दिखाई दे रही है संसद में सही गलत पर तर्क वितर्क से कुछ नहीं मिलेगा यदि चुनाव जितना है तो जनता के लिए काम करना होगा, पहले विपक्ष बिलकुल कमजोर या नहीं था लेकिन पहले जो संसद में सोते थे आज सत्ता पक्ष को यह ध्यान देना जरुरी है कि आखिर विपक्ष में इतना ताकत कहाँ से आई वो भी उसी चुनाव प्रक्रिया से गुजर चूंके होंगे और अब सत्ता पक्ष को शांत रह कर काम करने की ज्यादा जरुरत है जिस तरह विपक्ष मजबूत हुआ है तो जनता के बल पर ही जीता, घुसपैठ कितना होगा इधर तो नजर नहीं आ रहा है उसकी संख्या उतनी नहीं है कि सरकार को बना या बिगाड़ दे जो सही में वोटर है वो तो पुरी तरह जाते ही नहीं है कभी सुना है 90 परसेंट मतदान हुए हैं अतः ऐ सब व्यर्थ की बातें हैं काम की बातें करना ज्यादा जरुरी है जो देश के गरीबों के कल्याण के लिए हो अगर घुसपैठिये आये तो ऐ भी प्रशासन की लापरवाही होगी क्योंकि क्या अपने बाउंड्री को पूरा सील किया है जैसे बाकी के देश ने किया है एक ऐसा दिवार बना दिया है जिस पर जाना नामुमकिन है अमेरिका ने तो अमेरिका और मेक्सिको के बीच सीमा करीब 2000 मील (लगभग 3200 किमी) लंबी है। अमेरिका में अवैध घुसपैठ के लिए ये रास्ता बदनाम रहा है। दीवार बनने से पहले इस पर बाड़ लगी हुई थी। 2016 में ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान यहां पर दीवार बनाने का वादा किया। जनवरी 2017 में जब वह अमेरिका के राष्ट्रपति बने तो उन्होंने इस वादे को निभाने पर काम शुरू करवाया। 2017 से लेकर 2021 तक करीब 727 किलोमीटर लंबी दीवार बनाई गई। इसे ट्रंप वॉल भी कहा जाता है। अतः इसपर चर्चा करना जरुरी है क्योंकि आए दिन कहीं पाकिस्तान से सटे इलाके में हमारे जवान मरते हैं कहीं चीन से अब तो बांग्लादेश भी उसी राह पर चल निकला है अतः जब सीमा सुरक्षा बल है तो सवाल ऐ है कि घुसपैठ आखिर हो कैसे जा रहा है जो हमारी एकता और संप्रभुता पर खतरा है ऐ सिर्फ पश्चिम बंगाल की समस्या नहीं है ऐ तो उत्तर प्रदेश में भी आ गए और योगी जी के डिटेनशन सेंटर के डर से लापता हो रहे हैं अतः वाद विवाद मुद्दे जो देशहित में हो यही करना चाहिए अनर्थ वार्ता से बचना चाहिए संसद कोई अखाड़ा तो है नहीं अपनी बात रखने का अधिकार सबको है लेकिन जो सार्थक हो चुनाव में हार मिली है तो उस पर पार्टी को अपनी छवि सुधार करना चाहिए ईवीएम कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जब वोटिंग होती है तो विपक्ष के तरफ से भी एजेंट होता है इसका मतलब ऐ हुआ कि एजेंट ही उससे मिल गया ऐसा नहीं है चुनाव एक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया है और वीवीपैट के आने के बाद तो पारदर्शिता बढ़ी है ना जाने कितने लोग इसमें कड़ी मेहनत करते है जब इलेक्शन ड्यूटी होता है और काउंटिंग में वही फॉर्म एजेंट काउंटर पर ले कर जाता है जो चुनाव के समय का डाटा होता है अतः इस पर सवाल करना व्यर्थ है।

एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन ने किया प्रतिभाओं को सम्मानित

प्री-बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

झुंझुनूं रोड़ स्थित एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन ने प्री - बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस सम्मान समारोह का विधिवत शुभारम्भ एम. डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुनील कुमार डांगी, मैनेजिंग डायरेक्टर महोदया समित डांगी व मैनेजमेंट सदस्यों ने किया। इस अवसर पर कक्षा 10 व 12 प्री - बोर्ड में टॉप रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में विवेक महला पुत्र अशोक कुमार, प्रिया पुत्री उम्मेद सिंह, हितेश पुत्र सज्जन सिंह व दीक्षा पुत्री संदीप कुमार को प्रथम स्थान प्राप्त करने पर गोल्ड मैडल, प्रिया पुत्री ओमप्रकाश, विनीता पुत्री संदीप कुमार, सेजल पुत्री जोगेंद्र सागवान ,आस्था पुनिया पुत्री नरेन्द्र, नित्या सैनी पुत्री मुकेश व प्राची पुत्री प्रवेश कुमार को सिल्वर मेडल तथा अंजलि पुत्री जगदीश कुमार , आशीष पुत्र सुरेंद्र यादव ,ज्योति पुत्री प्रेमचंद कोमल पुत्री सुनील सैनी व लक्षिता पुत्री महेश कुमार को ब्रॉंज मेडल से सम्मानित किया गया । इसी क्रम में कक्षा 9 व 11 में भी श्रेष्ठ परिणाम देने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिनमें यशस्वी पुत्री रोशनचंद , निशांत पुत्र धर्मेंद्र, कृतिका पुत्री राजेश कुमार व पल्लवी पुत्री दयाराम को गोल्ड मेडल,

पलक पुत्री शिव कुमार,अदिति पायल पुत्री सुरेश, अवा थाकन पुत्री रिशाल कुमार, कोमल पुत्री राजवीर , नेहा पुत्री सुरेंद्र मान व नितीश पुत्र टंअशोक कुमार को सिल्वर मेडल तथा मो. फरमान पुत्र अब्दुल रहमान, प्रियांशु पुत्र मानसिंह शेखावत ,प्राची पुत्री नवल किशोर , भूमिका पुत्री ओमप्रकाश, निशु पुत्री अशोक कुमार व शिवानी पुत्री सुरेश कुमार को ब्रोंज मैडल से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एम डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुनील कुमार डांगी व मैनेजिंग डायरेक्टर समित डाँगी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना प्रकट करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ - साथ संस्कार , संस्कृति व नैतिक - मूल्यों के प्रति भी जागरुक होना चाहिए । एम डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन राजस्थान में अपनी श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने की परंपरा के रूप मे जाना जाता है। इस तरह के सम्मान समारोह से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास , लक्ष्य के प्रति दृढ - संकल्पिता व बौद्धिकता के साथ साथ प्रतिस्पर्धा की भावना का भी विकास होता है। इस अवसर पर एम डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के समस्त सदस्य उपस्थित रहें ।

जिला फतेहाबाद उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने इंतकाल व जमाबंदी के लंबित मामलों का जल्द निपटान करने के दिए निर्देश

उपायुक्त की अध्यक्षता में राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने इंतकाल व जमाबंदी के लंबित मामलों का जल्द निपटान करने के निर्देश दिए हैं। उपायुक्त वीरवार को लघु सचिवालयों के वीसी सभागार में राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कहा कि जैसे ही भू-संपत्ति की रजिस्ट्री होती है तो उसके तुरंत बाद ऑनलाइन इंतकाल करना सुनिश्चित करें ताकि भूमि रिकॉर्ड निर्धारित समय में अपडेट हो सके। नागरिकों को पारदर्शी, सुगम एवं परेशानी मुक्त राजस्व सेवाएं प्राप्त हो सके। इसके साथ ही उन्होंने इंतकाल के लंबित मामलों को भी जल्द से जल्द निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदारों से रिपोर्ट प्राप्त की और निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन इंतकाल की प्रक्रिया पूरी करने में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी तहसीलों को सरल, निश्चित और प्रभावी प्रक्रियाएं सुनिश्चित करने को कहा, ताकि नागरिकों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि समय पर इंतकाल होने से नागरिकों को ऋण, मुआवजा, अनुदान एवं अन्य अधिकारों का लाभ बिना किसी बाधा के मिल सकेगा। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कहा कि रजिस्ट्री सेवाएं पूर्णतय पेपरलेस और नागरिक-केंद्रित हों। इसके लिए उन्होंने सभी तहसीलों को निर्देश दिए कि रजिस्ट्री के समय ही सभी दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड किया जाए। रजिस्ट्री कार्यालयों में स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक वातावरण बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्री, इंतकाल व जमाबंदी की पूरी प्रक्रिया निर्बाध रूप से पूरी की जाये ताकि नागरिकों को सेवा गुणवत्ता में वास्तविक सुधार का अनुभव हो। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने ऑनलाइन जमाबंदी के कार्यों की समीक्षा करते हुए एक-एक करके सभी तहसीलदारों से रिपोर्ट प्राप्त की। उन्होंने कहा कि लंबित जमाबंदी के कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाये। उन्होंने अब तक हुई दाखिल जमाबंदियों के बारे में रिपोर्ट प्राप्त की। उपायुक्त ने बैठक में सीएम विंडो, जनसंवाद, ग्रीवेंस केसिज, फसल मुआवजा, राजस्व न्यायालय के मामलों व आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर आदि को लेकर भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-क्षतिपूर्ति के अंतर्गत फसल क्षति प्रविष्टियों का समयबद्ध सत्यापन किया जाए तथा सभी जन शिकायतों का संवेदनशीलता एवं शीघ्रता से निपटारा किया जाए। उपायुक्त ने संबंधित एसडीएम को निर्देश दिए कि प्रत्येक सप्ताह नियमित रूप से बैठक आयोजित करके राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि मामलों के निपटान में देरी को सहन नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में जवाबदेही भी तय की जाएगी। बैठक में एसडीएम आकाश शर्मा व सुरेंद्र सिंह वीसी से जुड़े जबकि एसडीएम राजेश कुमार, जिला राजस्व अधिकारी श्यामलाल सहित संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार व नायब तहसीलदार मौके पर मौजूद रहे।

स्कूल के बच्चों को की स्वेटर वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

गनेडी स्थित शहीद सुखदेव सिंह राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय , महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में कृपाराम ढाणी निवासी मुकेश कुमार नोपाराम भँवरिया ने दोनों विद्यालयों के विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित की गई । यह जानकारी देते हुए राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत नेछवा के अध्यक्ष अशोक कस्वां ने बताया कि इस सराहनीय कार्य के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य सुमन भड़िया के द्वारा आभार व्यक्त किया गया । इस कार्य के लिए प्रेरित करने वाले संगठन के पूर्व अध्यक्ष झाबर मल का भी विद्यालय परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ त्रिलोका राम ,प्रियंका, भागोती, महेंद्र, रेखा, भजनलाल, राधा आदि शिक्षक उपस्थित रहे ।

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर में खेलकूद दिवस पर छात्रों का शानदार उत्साह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.,खेतड़ी नगर।

केंद्रीय विद्यालय खेतड़ी नगर में गुरुवार, 11 दिसंबर 2025 को खेलकूद दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्री के.एल. मीना ने की। विद्यार्थियों ने समूह गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद चारों सदनों के छात्रों ने आकर्षक मार्च-पास्ट कर मुख्य अतिथियों को सलामी दी। कार्यक्रम का मंच संचालन कक्षा 11वीं की छात्राओं डिम्पल एवं दीपिका ने बेहतरीन ढंग से किया। खेलकूद दिवस के तहत शारीरिक शिक्षक एवं कार्यक्रम संयोजक अमित कुमार के निर्देशन में बालक एवं बालिकाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इनमें दौड़, बोरा दौड़, रस्सी दौड़, गुब्बारा फोड़, नींबू दौड़, रिले रेस जैसी मनोरंजक एवं रोमांचक गतिविधियाँ शामिल रहीं।प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर आने पर मेडल और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेलकूद स्वस्थ जीवनशैली की आधारशिला है, बिना खेल के जीवन में प्रगति संभव नहीं। वहीं प्राचार्य श्री के.एल. मीना ने भी खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज कुमार वर्मा, वरिष्ठ अध्यापक उम्मेद अली, रतन पाल डेला, विनोद कुमार मीणा, मनोज कुमार वर्मा, लोकेश कुमार, सी.आर. पालीवाल, जितेश सैनी, ओमप्रकाश सहित सभी विद्यार्थी उपस्थित रहें। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को सम्मानित कर खेल दिवस का समापन किया गया।

काटली नदी के बहाव क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कवायद शुरू ,70 अतिक्रमण हटाए

समझाइश के चलते ग्रामीणों ने भी किया सहयोग

भीमप्रज्ञा न्यूज़ झुंझुनूं ।

काटली नदी के बहाव क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग के निर्देशन पर उदयपुरवाटी एवं झुंझुनू तहसील के अंतर्गत बागोली, काटलीपुरा व भड़ौंदा कलां में गुरुवार को चिन्हित अतिक्रमण हटाए गए। दोनों क्षेत्रों में से कुल 70 अतिक्रमण हटाए गए। झुंझुनू तहसीलदार महेंद्र मूंड ने बताया कि भड़ौंदा कलां में 36 अतिक्रमण हटाए गए। इस दौरान बगड़ थाना अधिकारी हरजिंदर सिंह, नायब तहसीलदार अभिषेक मीणा सहित

राजस्व विभाग के कर्मचारी व पुलिसकर्मी मौजूद रहे। उदयपुरवाटी तहसीलदार झुंडाराम कुड़ी ने बताया कि काटलीपुरा एवं बागोली में नदी के बहाव क्षेत्र में 34 अतिक्रमण चिह्नित किए गए थे। इनमें से 20 अतिक्रमण खेती हर भूमि के रूप में किए गए थे, वहीं 14 व्यावसायिक व आवासीय अतिक्रमण किए गए थे। सभी अतिक्रमियों को 10 दिन पहले नोटिस दिया गया था एवं दो दिन पहले समझाइश कर अतिक्रमण स्थल खाली करवा दिए गए थे, जिसकी वजह से अतिक्रमण हटाने में ग्रामीणों ने भी सहयोग किया। इस दौरान नायब तहसीलदार सुरेंद्र सिंह एवं थानाधिकारी श्रीरामपाल भी मौजूद रहे।

मोहिनी देवी गोयनका गर्ल्स बीएड कॉलेज में खेलकूद व सांस्कृतिक सप्ताह का हुआ शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मोहिनी देवी गोयनका गर्ल्स बीएड कॉलेज में बुधवार से खेलकूद व सांस्कृतिक सप्ताह का शुभारंभ किया गया।

प्राचार्य डॉ राकेश कुमार ने बताया कि 11 से 17 दिसंबर तक आयोजित होने वाले इस सप्ताह में प्रथम तीन दिन अंतर -परिषदीय एथलेटिक्स व क्रीड़ा प्रतियोगिताएं तथा अंतिम तीन दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा समारोह के मुख्य अतिथि मदनलाल ढाका, प्रधानाचार्य, गोयनका सीनियर सेकेंडरी स्कूल थे

जिन्होंने अपने उद्बोधन में छात्र अध्यापिकाओं को अध्ययन के साथ-साथ खेलने एवं शारीरिक व्यायाम करने हेतु प्रेरित किया तथा खेलों को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से खेलने का आह्वान किया। खेलकूद प्रभारी ने बताया कि पहले दिन आयोजित प्रतियोगिता में नींबू चम्मच दौड़ में वर्षा सैनी प्रथम,भावना सैनी द्वितीय तथा जसोदा चौहान तृतीय स्थान पर रही।कबड्डी में सावित्री बाई फुले टीम ने सुनीता विलियम्स टीम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया जबकि गार्गी टीम ने लक्ष्मीबाई टीम को हराकर फाइनल में प्रवेश किया।100 व 200 मीटर दौड़ तथा डिस्क थ्रो की अंत-परिषदीय प्रतियेगिता हुई जिनका फाइनल गुरुवार को होगा। इससे पूर्व मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को शपथ दिलवाई।

लोहिया स्कूल में सड़क सुरक्षा सप्ताह संगोष्ठी का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

लोहिया स्कूल में सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत एक प्रभावी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला परिवहन निरीक्षक रमेश कुमार यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण नियमों, सावधानियों तथा बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं के कारणों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यादव ने बच्चों को समझाया कि सड़क पर चलते समय छोटे-छोटे नियम, जैसे- ज़ेबरा क्रॉसिंग का प्रयोग, हेलमेट और सीट बेल्ट पहनना, यातायात संकेतों का पालन करना–किस तरह बड़ी दुर्घटनाओं से उनकी सुरक्षा कर सकते हैं। कार्यक्रम की सफलता में स्कूल के निदेशक जगपाल सिंह यादव तथा चेयरमैन राम सिंह नेहरा रहे। दोनों ने

मिलकर छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की प्रेरणा दी।

संगोष्ठी में नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह बडेसरा, सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा इंग्लिश मीडियम प्रिंसिपल प्रमोदिनी दुबे और प्रधानाध्यापक प्रमिला झाझडिया ने संगोष्ठी के अंत में अतिथियों का धन्यवाद किया गया और छात्रों को सड़क सुरक्षा को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का संकल्प दिलाया गया। संगोष्ठी समष्टि में पूरणमल गजराज गुलजार खान, संदीप राव सुरेश यादव सुरेश भालोठिया, सहित समस्त स्टाफ ने भी यातायात के नियमों का पालन करने की शपथ ली

महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' पर हुआ व्याख्यान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान सीकर में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला उन्मूलन दिवस' के समापन पर, 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत् व्याख्यान हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ नीलम कुमारी, महिला अधिकारिता विभाग, केंद्र प्रबंधक, कृष्णा सोनी एडवोकेट, एवं संस्थान सचिव डॉ. ओपी सैनी ने मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में अतिथियों को दुपट्टा ओढ़ाकर व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ने महिला अधिकारिता विभाग से जुड़ी हुई कुछ फ्लैगशिप योजनाओं जैसे 'बेटी पढ़ाओ व बेटी बचाओ' तथा 'लाडो प्रोत्साहन योजना' के बारे में सभी को जागरूक किया। उन्होंने इन योजनाओं से संबंधित कुछ सवाल जवाब करके कार्यक्रम को बड़ा ही रोचक बना दिया। संस्थान सचिव ने कहा कि डिजिटल दुर्व्यवहार क्या है? इसके बारे में सबको जानकारी होनी चाहिए 7 डिजिटल दुर्व्यवहार में महिलाओं और लड़कियों का पीछा करने, उन्हें परेशान करने और उनका शोषण करने के लिए डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है। इस पर अधिकारिता विभाग ने 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक बहुत से कार्यक्रम आयोजित करके महिलाओं को जागरूक किया है। यह महिला अधिकारिता विभाग की सराहनीय पहल है । कार्यक्रम में सावित्रीबाई फुले पीजी महिला महाविद्यालय व सावित्रीबाई फुले शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के समस्त स्टाफ और सभी छात्राएं मौजूद रहीं।

सेना के हेलिकॉप्टर की पिलानी में इमरजेंसी लैंडिंग: तकनीकी गड़बड़ी होने से पायलट ने किया सुरक्षित लैंड

जयपुर की ओर जा रहे थे सेना के जवान

भीम प्रज्ञा न्यूज

पिलानी । झुंझुनूं में भारतीय सेना के एक हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी। इस हेलिकॉप्टर में सेना के जवान जयपुर की ओर जा रहे थे। हेलिकॉप्टर में सवार सभी जवान पूरी तरह सुरक्षित रहे और किसी प्रकार की क्षति नहीं हुई। घटना गुरुवार शाम करीब 6 बजे की है।

उड़ान के दौरान आई तकनीकी दिक्कत

जानकारी के अनुसार हेलिकॉप्टर पिलानी क्षेत्र के ऊपर से गुजर रहा था, तभी सिस्टम में तकनीकी खराबी सामने आई। स्थिति को भांपते हुए पायलट ने तुरंत पास में मौजूद बीईटी (बिरला एजुकेशन ट्रस्ट) के हेलीपैड को सेफ मानते हुए लैंड करने का फैसला किया। आर्मी सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए हेलिकॉप्टर को

सफलतापूर्वक उतार लिया गया, जिससे किसी बड़े हादसे की आशंका टल गई।

इमरजेंसी लैंडिंग की खबर मिलते ही बीईटी के निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) एसएस नायर तुरंत हेलीपैड पहुंचे। उन्होंने हेलिकॉप्टर में मौजूद जवानों से बातचीत कर पूरी स्थिति जानी। हालांकि, सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए सेना के जवानों ने घटना से जुड़ी विस्तृत जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया। सेना की ओर से नागरिक उड्डयन विभाग को भी घटना की सूचना भेज दी गई।

25 मिनट बाद हेलिकॉप्टर ने दोबारा भरी उड़ान

सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी तत्काल हेलीपैड पहुंची और आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी। हेलिकॉप्टर करीब 25 मिनट तक वहीं खड़ा रहा।

'धर्म, संस्कृति और राष्ट्र-तीनों की रक्षा हमारा कर्तव्य - गणेशदाश महाराज

कथा वाचक गणेश दास महाराज का प्रवचनों के बाद ब्राह्मण समाज ने किया स्वागत अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

अरुण कुमार । स्थानीय रानी सती रोड चुना चौक स्थित पुरोहितों की बगीची में विप्र फाउंडेशन एवं गौड़ ब्राह्मण महासभा के संयुक्त तत्वाधान में गौड़ ब्राह्मण महासभा के जिला महामंत्री शिवचरण पुरोहित एवं विप्र फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष कमलकांत शर्मा की अगवाई में तथा जिला संयोजक उमाशंकर महमिया के संयोजन में मायड़ भाषा शैली के कथावाचक राजस्थान शेखावाटी 'खालसा' के महंत गणेश दास महाराज 'लश्करी' अयोध्या वाले के झुंझुनू आगमन पर पुरोहितो की बगीची में धार्मिक व हिंदुत्व पर प्रवचन हुए। उन्होंने कहा कि

'धर्म, संस्कृति और राष्ट्र तीनों की रक्षा हमारा कर्तव्य है । हिंदू समाज जगेगा तभी भारत आगे बढ़ेगा, धर्म बचाओ संस्कार बढ़ाओ पर विस्तार से अपने विचार रखे । जिला संयोजक उमाशंकर महमिया ने बताया कि महाराजश्री के नागौर स्थित बुडसू, अयोध्या, प्रयागराज सहित प्रमुख आश्रम है। इस अवसर पर महाराज का माला, ब्राह्मण समाज का दुपट्टा, शाल ओढ़ाकर व भगवान श्रीराम का प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत सम्मान कर अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर गौड़ ब्राह्मण महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, विफा संरक्षक एडवोकेट सुशील कुमार जोशी, जिला संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया, विफा जिला महामंत्री वशिष्ठ कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष राकेश सहल, जिला मंत्री रमेश चौमाल, तहसील अध्यक्ष अनिल जोशी, गोपी राम पुरोहित, सुभाष खाजपुरीया, गौड़ ब्राह्मण महासभा के जिला मंत्री सुरेंद्र शर्मा, अवधेश भिंडा, सुरेंद्र भीमसरिया, चंद्र प्रकाश जोशी, पूनम पुरोहित, मोहन पुरोहित, रविशंकर पुरोहित, प्रमोद चोटिया, विनोद पुरोहित,। महेश वर्मा सहित समाज के गणमान्य बंधु जन उपस्थित रहें ।

पेंशनर्स मंच उप शाखा चौमू का वार्षिक पेंशनर्स सम्मान समारोह 17 दिसंबर को

70 एवं 80 वर्षीय पेंशनर्स का होगा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया। शहर के रेनवाल रोड स्थित शीश महल गार्डन में 17 दिसंबर बुधवार को प्रातः 10 बजे से राजस्थान पेंशनर्स मंच, जयपुर उपशाखा चौमूं के तत्वावधान में 21वां वार्षिक पेंशनर्स सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। पेंशनर्स मंच के अध्यक्ष राधेश्याम यादव ने बताया कि समारोह की मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक डॉ. शिखा मील बराला होगी एवं अध्यक्षता पेंशन मंच जयपुर के जिलाध्यक्ष गुलाबचंद लांबा करेंगे तथा विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, चौमूं उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह, विप्र कल्याण बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, नगर परिषद चौमूं के सभापति विष्णु कुमार सैनी, राजस्थान पेंशनर्स मंच जयपुर के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश क्रांतिकारी, विराज फाउंडेशन के भुवनेश तिवाड़ी, होंगे। पेंशनर्स मंच के मंत्री सीताराम बुनकर ने बताया कि पेंशनर्स सम्मान समारोह में 70 एवं 80 वर्षीय पेंशनर्स का सम्मान किया जाएगा। इस दौरान स्मारिका का विमोचन भी किया जाएगा।

राजकीय महाविद्यालय बुहाना में नवप्रवेशार्थियों का भव्य स्वागत, मोनिका बनी मिस फ्रेशर व संदीप मिस्टर फ्रेशर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

राजकीय महाविद्यालय बुहाना में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत हेतु सीनियर छात्रों द्वारा भव्य फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रूप से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। महाविद्यालय प्राचार्य महिपाल ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा और अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य महिपाल, विशिष्ट अतिथि मेहताब सिंह (प्रधानाचार्य, बुहाना चिल्ड्रन एकेडमी) तथा अजीत जांगिड़ (प्रधानाचार्य, राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल बुहाना) उपस्थित रहे। सीनियर विद्यार्थियों ने जूनियर्स के स्वागत में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, रैंप वॉक तथा विभिन्न मनोरंजक गेम्स आयोजित किए, जिनमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मंच संचालन सहायक आचार्य डॉ. अनिल मावर, तथा सीनियर छात्र-छात्राएं मनीषा और अमन ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित फ्रेशर प्रतियोगिता में नवप्रवेशित विद्यार्थियों में से मोनिका को मिस फ्रेशर और संदीप को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। वहीं खेल प्रतियोगिताओं में अशोक, मनीषा और लोकेश विजेता रहें। इस अवसर पर वर्ष 2024-25 में बी.ए. फाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पूर्व विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया, जिनमें खुशी (प्रथम), पूजा स्वामी (द्वितीय) और ज्योति जांगिड़ (तृतीय) को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किए गए। कार्यक्रम में सहायक आचार्य डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. सपना चौहान, डॉ. अमित कुमार, डॉ. वीना रानी, विनोद कुमारी, डॉ. संतोष शर्मा, कमल कुमार सहित सभी विद्यार्थी मौजूद रहे। फ्रेशर पार्टी का आयोजन उत्साह और उल्लास के बीच संपन्न हुआ।

नवलगढ़ के गोठड़ा कस्बे में प्रियंका माहिच घोड़ी पर बैठाकर डीजे के साथ निकाली गई बिंदोरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

नवलगढ़ के गोठड़ा कस्बे में जगदीश माहिच ने बेटी प्रियंका माहिच के लिए एक बेटी को बेटे के बराबर ना मानने के लिए पुरानी परंपराओं को भी दरकिनार कर दिया और समाज को संदेश दिया की बेटी और बेटे में कोई फर्क नहीं है. लड़कों को घोड़ी पर बैठाकर बिंदोरी निकासी निकालने की परंपरा को दरकिनार कर जगदीश माहिच ने अपनी बेटी प्रियंका माहिच को घोड़ी पर बैठाकर बिंदोरी निकाली गई. परिजनों ने डीजे के आगे जमकर ठुमके लगाये. प्रियंका माहिच के भीम आर्मी जिला कोर कमेटी सदस्य भाई सुनील माहिच ने बताया कि लड़का घर को संवारता है पर लड़कियां दो दो घरों को संवारती हैं.वे समाज में यही संदेश देना चाहते है कि बेटियां बेटों से कम नहीं है. जरूरत है उन्हे प्रोत्साहित करने की. लिंगानुपात में बेटियों की कमी का दंश झेल रहे राजस्थान में सरकारी स्तर पर जरूर बेटियों को बराबरी के दर्जे की कवायदे जारी है लेकिन सामाजिक स्तर पर जब तक बेटी व बेटे को समानता का दर्जा नहीं मिलेगा। इस अवसर पर भीम आर्मी जिला मंत्री मुकेश आलडिया, सुलतानाराम माहिच, पोकरमल माहिच, कृष्णकुमार, शेरसिंह, महिपाल राजेन्द्र, बंटी कड़वासरा विनोद धेनवाल, देवराज, राजेश मनोहरलाल विकास,किशोर, अंकित, चन्दा, पूजा, संजू ,पूनम, सुभीता, सरिता आदि उपस्थित रहे।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा आईएएस के समाधान शिविर में समस्याओं का त्वरित निस्तारण

टोहाना के सामाजिक संगठनों व नागरिकों ने की सराहना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि आमजन की समस्याओं का शीघ्र और प्रभावी समाधान प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसी उद्देश्य से समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। वीरवार को आयोजित शिविर में पहुंचे नागरिक, जहाँ एसडीएम ने प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश देकर कई मामलों का मौके पर ही निवारण करवाया। एसडीएम ने शिविर में पहुंचे सभी नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना तथा प्रत्येक मामले के समाधान को सुनिश्चित करने के लिए दिए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि किसी भी शिकायत में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग समयबद्ध तथा पारदर्शी तरीके से शिकायतों के निपटान को सुनिश्चित करें, ताकि जनता को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण प्रशासनिक सेवाएँ मिल सकें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक सोमवार और वीरवार को आयोजित किए जाने वाले समाधान शिविरों में सभी संबंधित विभागों के अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, ताकि किसी भी नागरिक की समस्या बिना समाधान के लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि इन शिविरों का उद्देश्य जनता को एक ही स्थान पर सभी सेवाएँ उपलब्ध कराना है, इसलिए अधिकारी समय पर पहुँच कर सक्रिय भूमिका निभाएँ और प्राप्त शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित करें, जिससे शिविरों की उपयोगिता और प्रभावशीलता लगातार बनी रहे।

एकल ग्रामीण टूर्नामेंट बुहाना: वॉलीबॉल प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ, ठोठी टीम ने जीता उद्घाटन मैच

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

एकल ग्रामीण टूर्नामेंट के तहत बुहाना में वॉलीबॉल प्रतियोगिता का गुरुवार को शुभारंभ उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हुकुम सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता अरविंद (दिल्ली पुलिस) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में कपिल, रोहित, महेंद्र, जितेन्द्र, आमिर, प्रदीप, नीतू एवं डॉ. प्रीत मौजूद रहें। शुभारंभ अवसर पर खेले गए उद्घाटन मैच में ठोठी और सुरेती की टीमों ने दमदार खेल दिखाया, जिसमें ठोठी की टीम विजेता रही। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन और दर्शकों के जोश ने पहले ही दिन प्रतियोगिता को खास बना दिया। आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट का उद्देश्य ग्रामीण खिलाड़ियों को मंच प्रदान करना और खेल भावना को बढ़ावा देना है। आगामी मुकाबलों को लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान का 82वा वार्षिक सम्मेलन 25 दिसंबर को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

जाट बोर्डिंग हाउस संस्थान सीकर का 82 वॉ वार्षिक सम्मेलन 25 दिसंबर को मनाया जाएगा।संस्थान के प्रेस सचिव हरिराम मील ने बताया कि बुधवार को जाट बोर्डिंग हाऊस संस्थान सीकर स्थित कार्यालय में कार्यकारिणी की मीटिंग आयोजित की गई। जिसमें संस्थान का 82वॉ वार्षिक सम्मेलन 25 दिसंबर को मनाने का निर्णय लिया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को विशाल रुप देने के लिए अलग-अलग समितिया बना कर जिम्मेदारिया दी गई। सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने अपनी अपनी जिम्मेदारियां तन मन धन से निभाने का संकल्प लिया। तथा मुख्य अतिथि व अतिथियों को निमंत्रण पत्र देने पर चर्चा की । इस अवसर पर संस्थान अध्यक्ष गणेश बेरवाल,शिव नाथ भडिया,के डी नेहरा, सुरेश थालोड़,हरिराम मील, रुड सिंह महला, जयंत खीचड़, हरफूल सिंह, सूरजभान सिंह, डॉ यूधवीर सिंह महला, डॉ रमन चौधरी, ऊंकार मल मूड़, दुर्गा देवी रणवा, राजेंद्र डोरवाल,बनवारी लाल नेहरा, सोहनलाल बाजियां, बनवारी लाल बाजियां, नेमीचंद खीचड़, जगदीश प्रसाद खीचड़, किशोर माडोता , प्रकाश बेरवाल आदि सभी कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित रहे।

टोहाना एसडीएम ने छात्रों को प्रशासनिक तंत्र की भूमिका और महत्त्व से कराया परिचित

छात्रों ने किया लघु सचिवालय टोहाना का शैक्षणिक भ्रमण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय समैन के छात्रों ने वीरवार को लघु सचिवालय टोहाना का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्रों को प्रशासनिक कार्यप्रणाली, विभागीय संरचना तथा शासन प्रणाली की वास्तविक प्रक्रियाओं को नज़दीक से समझने का अवसर मिला। भ्रमण का उद्देश्य छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान उपलब्ध करवाना तथा प्रशासनिक तंत्र की कार्यशैली से अवगत कराना था। दौरे के दौरान छात्र एसडीएम कार्यालय पहुँचे, जहाँ एसडीएम आकाश शर्मा ने विद्यार्थियों से संवाद किया और उन्हें प्रशासनिक सेवाओं की महत्ता के बारे में बताया।एसडीएम ने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने, कानून व्यवस्था के महत्व को समझने और समाज हित में सकारात्मक योगदान देने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने विभिन्न सरकारी योजनाओं की रूपरेखा व उनके क्रियान्वयन से संबंधित औपचारिक जानकारी भी साझा की। इस दौरान छात्र विभिन्न विभागों के कार्यालयों में पहुंचे, जहाँ संबंधित अधिकारियों ने विभागीय दायित्वों, दैनिक कार्यों तथा जनसेवा से जुड़े प्रक्रियात्मक पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। छात्रों ने विभागीय अभिलेख प्रबंधन, शिकायत निवारण प्रक्रिया तथा कार्यालय संचालन की पद्धतियों को भी व्यवस्थित रूप से जाना। भ्रमण के दौरान छात्रों ने अधिकारियों से कई प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर अधिकारियों ने सरल और स्पष्ट भाषा में दिए। इस इंटरैक्टिव सत्र ने छात्रों की जिज्ञासा और समझ को दृढ़ किया तथा प्रशासनिक तंत्र के प्रति उनकी जागरूकता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय प्रिंसिपल सुशील कुमार ने लघु सचिवालय द्वारा प्रदान किए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षणिक भ्रमण छात्रों में प्रशासनिक समझ, जिम्मेदारी की भावना और वास्तविक अनुभव विकसित करने में अत्यंत सहायक होते हैं। विद्यालय के शिक्षकों ने भी छात्रों को इस अनुभव से अधिकतम सीख लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अध्यापक वीरेंद्र कुमार भी मौजूद रहें।

परीक्षा पूर्व तैयारी हेतु यज्ञ का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । कस्बे के उच्च प्राथमिक आदर्श विद्या मंदिर प्रांगण में परीक्षा पूर्व यज्ञ का आयोजन किया गया। यज्ञ में प्रबंध समिति के सदस्य विश्वनाथ जोशी, सीताराम घोड़ेला, सुरेश कुमावत, प्रधानाचार्य महेंद्र सिंह व समस्त आचार्य/आचार्या व विद्या मंदिर के भैया, बहनों द्वारा 108 गायत्री मंत्र के साथ आहुति दी गई। यज्ञ के दौरान भैया, बहनों द्वारा ईश्वर से बुद्धि की प्रार्थना व उत्तम परीक्षा परिणाम हेतु आशीर्वाद लिया गया। कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ किया गया।

16 दिसम्बर को मुख्यमंत्री हांसी में, जिला बनाने की कर सकते हैं घोषणा- सूत्र

हांसी को जिला बनाना उनकी प्राथमिक मांगों में से एक है- विधायक विनोद भयाना

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हांसी।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । हिसार के हांसी को जिला बनाने की मांग के बीच मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 16 दिसंबर को हांसी पहुंचेंगे। विधायक विनोद भयाना ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में मीडिया से बातचीत में यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री नई ऑटो मार्केट स्थित पार्किंग ग्राउंड में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। विधायक विनोद भयाना ने बताया कि हांसी को जिला बनाना उनकी प्राथमिक मांगों में से एक है। उन्होंने इस मुद्दे को हर मंच पर उठाया है। उन्होंने जिला बनाने के लिए गठित कमेटी के समक्ष भी हांसी की मांग दोहराई। भयाना ने कहा कि जिला बनाना मुख्यमंत्री का अधिकार क्षेत्र है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री जहां भी जाते हैं, वहां नई सौगातें देते हैं, इसलिए हांसी के लिए भी इस रैली में कुछ बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं। विनोद भयाना ने यह भी बताया कि हांसी को जिला बनाने को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दोनों का सकारात्मक रवैया रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री ने हांसी में घोषणा की थी कि विधानसभा चुनाव के नतीजे आने और भाजपा सरकार बनने के बाद हांसी को जिला बना दिया जाएगा। इसी कारण हांसी में होने वाली यह रैली काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अनुमान है कि इस वर्ष हांसी में डीसी बैठ सकता है।

चिड़ावा में आस्था का सैलाब, 22वीं श्री जगन्नाथ ब्रह्मोत्सव रथ यात्रा में उमड़ा जन-समूह

चिड़ावा में आस्था का सैलाब, 22वीं श्री जगन्नाथ ब्रह्मोत्सव रथ यात्रा में उमड़ा जन-समूह

जय जगन्नाथ के जयकारों से गूंजा पूरा शहर, ऋषिकेश के महंतों ने किया मंत्रमुग्ध

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

आस्था और भक्ति के अद्भुत संगम के बीच, खिमसिका परिवार के द्वारा 22वीं श्री जगन्नाथ ब्रह्मोत्सव रथयात्रा का नगर में विशाल आयोजन किया गया। डालमिया खेल मैदान से शुरू हुई यह भव्य यात्रा पंचायत समिति, कबूतर खाना, मन्ड्रेला रोड़ होते हुए अंततः वृन्दावन फार्म स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंची। सर्व प्रथम, सुबह श्री जगन्नाथ जी की आरती के बाद विनय और प्रेम केडिया परिवार ने भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, और बहन सुभद्रा को रथ पर आरूढ़ कराया। जैसे ही रथ ने नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान किया, भक्तों में आस्था के प्रतीक भगवान के रथ का रस्सा पकड़ने की होड़ लग गई। 'जय जगन्नाथ' के उद्घोषों से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा। रथयात्रा के दौरान ऋषिकेश से पधारे महंतों ने ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर भगवान जगन्नाथ जी के भजनों पर जमकर नृत्य किया। भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। आकर्षण का मुख्य केंद्र भगवान शिव-पार्वती, कृष्ण-राधा, और हनुमान जी की सजीव झांकियां रहीं, जिन्होंने सभी शहरवासियों का मन मोह लिया। पूरे शहर में जगह-जगह शहर वासियों ने पुष्प वर्षा कर रथयात्रा का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह दृश्य चिड़ावा के लोगों की धार्मिक एकता और श्रद्धा को दर्शाता है। रथयात्रा के सफलतापूर्वक श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचने के बाद, भगवान को मंदिर में विधि-विधान से विराजमान किया गया। इसके उपरांत, महाप्रसाद (भंडारे) का वितरण किया गया जो देर शाम तक चलता रहा। इस सेवा कार्य में श्री हरि किर्तन, श्री हरि नाम प्रभात फेरी, और राम अमृत वाणी ग्रुप ने भंडारे में अपनी बहुमूल्य सेवा दी। जनकल्याण समिति चिड़ावा के सभी सदस्यों ने इस आयोजन को सफल बनाने में उत्साह से सहयोग किया।

प्रमुख गणमान्य और सेवादार रहे उपस्थित- आयोजक विनय केडिया, प्रेम केडिया नरेश - कुशुम शर्मा, गुंजन, कुशुम, शकुंतला,विनय- प्रेम केडिया, सानिया, सपना, उन्नति, नकिता, शितल, प्रतिभा,कोशु, सुशीला, मुन्नी बाई, आदित्य, सुरेश झुन्झुनूं वाला, पियूष,पूजीत, ऋषिकेश से पधारे महाराजः परमानंद महाराज, राधा गोविंद दास, परमेश्वर दास, टीना शर्मा, शोभा चौधरी, दामोदरदास, भीम दास, भक्त निवेश, भक्त दिलीप। नगर के गणमान्यः झण्डी प्रसाद हिम्मत रामका, सतेन्द्र कौशिक, सुशील शर्मा, मनोहर लाल जांगिड़, सुरेश मालानी, पूर्व चेयरमैन शंकर लाल वर्मा, रामचंद्र शर्मा, मूलचंद नरहडिया, राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया, अशोक शर्मा, राकेश शर्मा (सूरजगढ़), सांवरमल पारिक, अमित सैनी (गोलू), अजय बागड़ी, निवास वर्मा, शशिकांत तिवारी, विपुल अग्रवाल, अमित गुप्ता, राकेश बजावावाला, अशोक, अनिल दाधीच, विकास शर्मा, हेमंत शर्मा, पुरषोत्तम, संदीप हिम्मतरामका, सुरेंद्र पारिक, विनित पारिक, श्याम जांगिड़, पूर्व पार्षद रविकांत शर्मा, राजकुमार-बबीता जिसपाल, समेत अनेक भक्तगण उपस्थित रहें।

तोदी महाविद्यालय के इग्नू अध्ययन केन्द्र पर दी विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

स्थानीय श्री भगवानदास तोदी महाविद्यालय में संचालित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र 2312 पर गुरुवार को नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए परिचयात्मक बैठक का आयोजन हुआ जिसमें जयपुर के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. शेर सिंह के मुख्य वक्ता व आतिथ्य एवं प्राचार्य डॉ नगेंद्र सिंह नाथावत की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्य अतिथि डॉ शेर सिंह ने बताया कि इग्नू एक दूरस्थ शिक्षा संस्थान है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से उन विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलता है जो किसी कारणवश नियमित रूप से कॉलेज जाकर अध्ययन नहीं कर पाते। साथ ही डॉ शेर सिंह ने डीईसीई पाठ्यक्रम की असाइनमेंट और प्रोजेक्ट किस तरह से तैयार की ओर उसके क्या ग्रेड अंक है उसकी भी जानकारी दी। प्राचार्य डॉ. एन. एस. नाथावत ने इग्नू के विभिन्न पाठ्क्रमों एवं रोजगार के अवसर तथा इग्नू से अध्ययन करने आदि पर विस्तृत जानकारी दी। इग्नू अध्ययन केन्द्र 2312 के समन्वयक डॉ. जितेन्द्र कांटिया ने अध्ययन केंद्र की भूमिका और सुविधाओं के बारे मे जानकारी दी। इस अवसर पर इग्नू के पार्ट टाइम असिस्टेंट प्रभाकर पुजारी, सुधाकर पुजारी, पंकज शर्मा, सुरज्ञान कंवर एवं महाविद्यालय के संकाय सदस्य एवं अन्य अभिभावकगण आदि उपस्थित रहे।

पीएम से मिले सीएम, 24 को हरियाणा आएंगे शाह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंडीगढ़/नई दिल्ली।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज दिल्ली दौरे पर रहे। दिल्ली में ब्रेक फास्ट पर सीएम नायब सैनी की सूबे के सभी बीजेपी लोकसभा सांसदों और राज्य सभा सांसदों के साथ मीटिंग हुई। इस मीटिंग में हरियाणा के कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। करीब दो घंटे तक सांसदों के साथ मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी संसद भवन रवाना हो गए। वहां सीएम की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात हुई। सीएम ने मुलाकात के दौरान हरियाणा की केंद्रीय और राज्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। साथ ही सीएम ने राज्य के सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों

के साथ हुई मीटिंग का फीडबैक भी प्रधानमंत्री से साझा किया। पीएम से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि 24 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हरियाणा आएंगे । सीएम ने कहा कि संसद में विपक्ष गलत प्रचार कर रहा है, अमित शाह ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया है।

सरकार के मंत्री बोले-हनुमानगढ़ हिंसा प्रायोजित थी

राजस्थान के बाहर से आए लोगों ने हिंसा की, कांग्रेस के नेता भी शामिल रहे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । हनुमानगढ़ एथेनॉल फैक्ट्री में हिंसा को भजनलाल सरकार ने प्रायोजित बताया हैं। घटना को लेकर आधिकारिक बयान देते हुए मंत्री सुमित गोदारा और मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि यह पूरी घटना प्रायोजित थी। यह किसानों का आंदोलन नहीं था, आंदोलन करवाया गया हैं। राजस्थान के बाहर से आए करीब एक हजार लोगों ने फैक्ट्री में हिंसा की थी। उन्होंने कहा कि सरकार वार्ता के लिए तैयार हैं। कानून सम्मत जो भी बातें होगी, वो मानी जाएगी लेकिन कानून को हाथ में लेने का प्रयास नहीं करें, ऐसा होने पर सरकार कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जो भी जरूरी कदम होंगे उठाएगी।

कांग्रेस ने फैक्ट्री लगाने का एमओयू किया

मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि इस फैक्ट्री को लगाने का एमओयू कांग्रेस के शासन में साल 2022 में हुआ था। उसके बाद साल 2023 में जमीन का लैंड कंवर्जन हुआ। अब कांग्रेस के नेता ही इसका विरोध कर रहे है। ऐसे में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा को बताना चाहिए कि उनके अपने नेता उनके शासनकाल में हुए फैसलों का विरोध क्यों कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस फैक्ट्री से उस क्षेत्र के किसानों और श्रमिकों को फायदा ही होगा। स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। बायो फ्यूल निकालने के लिए किसानों से बड़ी मात्रा में गन्ना, मक्का और कृषि अपशिष्ट खरीदा जाएगा। पशुओं के लिए कैटल फीड का उत्पादन होगा। लेकिन कांग्रेस और कॉमरेड क्षेत्र के वातावण को दूषित करना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया में आर्मी ने की प्रदर्शनकारी महिलाओं पर फायरिंग, 9 की मौत

अबुजा, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया के अदामावा राज्य में विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर सेना के जवानों ने गोलियां चलाईं, जिसमें कम से कम 9 महिलाओं की मौत हो गई। यह आरोप प्रदर्शनकारियों और पीड़ित परिवारों ने लगाया है। घटना सोमवार को लामुर्दे इलाके में हुई। गवाहों और पीड़ितों के परिजनों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, महिलाएं स्थानीय समुदायों के बीच चल रहे हिंसक झड़पों और सेना की कथित लापरवाही के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थीं। इसी दौरान सेना के जवानों ने रास्ता रोके जाने पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। हालांकि नाइजीरियन आर्मी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रदर्शनकारियों की मौत सेना की गोली से नहीं, बल्कि स्थानीय सशस्त्र समूहों (मिलिशिया) की कार्रवाई में हुई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने गवाहों और पीड़ित परिजनों के बयान के आधार पर दावा किया है कि फायरिंग सेना ने की। एमनेस्टी नाइजीरिया के निदेशक ईसा सनुसी ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि सेना के मानवाधिकार उल्लंघन का रवैया अब भी नहीं बदला है। अदामावा में हाल के महीनों में बाचामा और चोबो समुदायों के बीच जमीन को लेकर लगातार झड़पें हो रही हैं। इसी के चलते इलाके में कर्फ्यू लगाया गया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सुरक्षा बल कर्फ्यू लागू कराने में नाकाम हैं, जिससे हिंसा थम नहीं रही है। एक पीड़ित पिता ने बताया, 'सैनिक संघर्ष वाले इलाके से लौट रहे थे और रास्ते में महिलाओं को देख अचानक एक जवान ने हवा में गोली चलाई, फिर बाकी सैनिकों ने सीधा फायर कर दिया।' नाइजीरिया में सुरक्षा बलों पर इस प्रकार की कार्रवाइयों के आरोप पहले भी लगे हैं। 2020 में लागोस में पुलिस अत्याचार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी सेना पर गोलीबारी और 'हत्याकांड' के आरोप लगे थे। एमनेस्टी ने इस घटना की स्वतंत्र जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया है। काठमांडू में अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को चीन की सीमा से लगे नेपाल के कालापानी क्षेत्र में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। तत्काल किसी प्रकार के नुकसान या हताहत की कोई सूचना नहीं मिली है। वहीं राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सुदूर पश्चिम प्रांत के दार्चुला जिले के उत्तर में स्थित कालापानी में भूकंप के झटके रात 9:24 बजे दर्ज किए गए। सोमवार को इसी प्रांत के बाजुरा जिले के मार्टाडी में शाम 6:58 बजे 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

क्यूबा के पूर्व मंत्री फर्नांडीज को जासूसी के आरोप में उम्रकैद

हवाना, एजेंसी। क्यूबा के सुप्रीम पॉपुलर ट्रिब्यूनल ने पूर्व अर्थव्यवस्था मंत्री अलेजांद्रो गिल फर्नांडीज को जासूसी के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई है। एक अलग मामले में उन्हें रिश्वत, फर्जी दस्तावेज और टैक्स चोरी के लिए 20 साल और मिले। 2018-2024 तक मंत्री रहे गिल राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कनेल के बेहद करीबी थे, लेकिन हटाए जाने के बाद उन पर गंभीर गलतियों का आरोप लगा। अदालत ने जासूसी के विवरण नहीं बताए।

नेपाल : एयरपोर्ट घोटाले में पूर्व मंत्रियों समेत 55 पर केस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण में भारी गड़बड़ी के आरोप में पूर्व मंत्रियों समेत 55 लोगों और एक चीनी निर्माण कंपनी पर मामला दर्ज किया है। आयोग के अनुसार, 2012 में तय बोली 169.6 मिलियन डॉलर (करीब 15 अरब 24 करोड़ भारतीय रुपया) थी, लेकिन अधिकारियों ने चीनी कंपनी की मिलीभगत से इसे बढ़ाकर करीब 21 अरब 92 करोड़ रुपया कर दिया, यानी 7.4 करोड़ डॉलर से ज्यादा की अनियमितता। यह मामला काठमांडो की विशेष अदालत में दाखिल किया गया।

अमेरिका में अप्रवासी बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अप्रवासी बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। अमेरिकी इमीग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) ने कोर्ट में दायर एक दस्तावेज में माना है कि इस साल अगस्त-सितंबर के दौरान करीब 400 बच्चों को 20 दिन की कानूनी सीमा से अधिक समय तक हिरासत में रखा गया। यह खुलासा उन वकीलों ने किया जो 1985 से चल रहे मामले की निगरानी कर रहे हैं। इसी मुकदमे से 1990 के दशक में फ्लोरेस सेटलमेंट एग्रीमेंट बना, जो बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सीमित अवधि की हिरासत अनिवार्य करता है। वकीलों ने अदालत को बताया कि कई केंद्रों में अस्वच्छ हालात, चिकित्सा सेवा में देरी और होटल कमरों में तय सीमा से अधिक समय तक बच्चों को रखने की शिकायतें मिलीं।

जेलेंस्की से मुलाकात के बाद ईसाई धर्मगुरु के निशाने पर आए ट्रंप!

रोम, एजेंसी। ईसाई धर्मगुरु पोप लियो 14वें ने मंगलवार को अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की ओर से लंबे समय से चले आ रहे अमेरिका-यूरोपीय गठबंधन को तोड़ने की कोशिश की आलोचना की। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के सर्वोच्च धर्मगुरु की ओर से इस तरह की खुली आलोचना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं को कमजोर होने के साथ यूक्रेन को मिलने वाले अमेरिकी समर्थन को कम करने का भी संकेत दिया था। इस मुद्दे पर पोप लियो 14वें ने अप्रत्यक्ष रूप से जोर देकर कहा कि यूक्रेन शांति समझौते में यूरोप की भूमिका होनी चाहिए।

पोप लियो का कीव दौरा यूरोपीय समर्थन जुटाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पत्रकारों से युद्धविराम की जरूरत और रूसी अधिकारियों की ओर से पकड़े गए यूक्रेनी बच्चों की वापसी में मदद के लिए वेटिकन की कोशिशों पर चर्चा की।

ईसाई धर्मगुरु से अमेरिकी शांति प्रस्ताव और इस प्रक्रिया में यूरोपीय शक्तियों को दरकिनार किए जाने के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में यूरोप की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'यूरोप को वार्ता में शामिल किए बिना शांति समझौते की कोशिश करना

अवास्तविक है, क्योंकि युद्ध यूरोप में चल रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'आज और भविष्य में सुरक्षा की गारंटी भी मांगी जा रही है। यूरोप को इसका हिस्सा होना चाहिए, और दुर्भाग्य से हर कोई इसे नहीं समझता, लेकिन मुझे लगता है कि यूरोपीय नेताओं के लिए एकजुट होकर हल तलाशने का यह एक बेहतरीन मौका है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय साझेदारों के साथ शांति समझौते के तीन दस्तावेजों पर चर्चा की जा रही है, 20 बिंदुओं का एक रूपरेखा दस्तावेज, सुरक्षा गारंटी वाला दूसरा दस्तावेज और यूक्रेन को फिर से उठ खड़ा करने के बारे में तीसरा दस्तावेज।

बीते हफ्ते में ट्रंप प्रशासन ने अपनी अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी की थी, जिसमें अमेरिका-यूरोपीय गठबंधन पर सवाल उठाए गए हैं और अमेरिका-रूस संबंधों को बेहतर बनाने की इच्छा पर जोर दिया गया है। लियो ने कहा कि उन्होंने जो पढ़ा है, वह 'यूरोप और अमेरिका के बीच कई वर्षों से चले आ रहे एक सच्चे गठबंधन में एक बड़ा बदलाव लाएगा।' इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुछ टिप्पणियों से ऐसा लगता है कि 'आज और भविष्य में जिस गठबंधन की जरूरत है, उसे तोड़ने की कोशिश की जा रही है।'

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में कुछ लोग इस कोशिश से सहमत हो सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि कई अन्य लोग चीजों को अलग तरीके से देखेंगे। पोप लियो अब तक जेलेंस्की से तीन बार मिल चुके हैं और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कम से कम एक बार टेलीफोन पर बात कर चुके हैं।

चीन की चाल: नेपाल को खोखला कर रहा ड्रैगन? पोखरा एयरपोर्ट घोटाले में रंगे मिले 'अपनों' के हाथ; जांच शुरू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कारण है कि नेपाल के भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट निर्माण में 55 नेपाली अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर 74 मिलियन डॉलर की गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इसके साथ ही इन 55 अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर मामला भी दर्ज किया है। माना जा रहा है कि यह नेपाल में अब तक का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का मामला है। आयोग के अनुसार, सरकार और चीनी कंपनी ने निर्माण खर्चों में गड़बड़ी करके 74 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की रकम बढ़ा दी। इसके तहत 2012 में जो बिडिंग तय हुई थी, वह 169.6 मिलियन डॉलर थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 244 मिलियन डॉलर कर दिया गया। पोखरा एयरपोर्ट और चीन का संबंध, समझिए नेपाल के पोखरा एयरपोर्ट में चीन की भूमिका को ऐसे समझा जा सकता है कि पोखरा एयरपोर्ट चीन के एक्जिम बैंक के लोन पर बनाया गया था। यह शहर नेपाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों और ट्रेकिंग रूट्स की शुरुआत का केंद्र है, लेकिन 2023 में संचालन शुरू होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को आकर्षित नहीं कर सका।

राजमार्ग पर आपात लैंडिंग के दौरान कार से टकराया विमान, पायलट और यात्री सुरक्षित, महिला चालक घायल

ऑरलैंडो (फ्लोरिडा), एजेंसी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो के पास सोमवार शाम को एक छोटे विमान ने अंतरराज्य राजमार्ग-95 (आई-95) पर आपातकालीन लैंडिंग की। इस दौरान विमान कार से टकरा गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ।

ब्रेवर्ड काउंटी दमकल और बचाव सेवा के मुताबिक, विमान आई-95 राजमार्ग पर मील चिह्न 201 के पास दक्षिण दिशा में आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश कर रहा था, तभी वह एक कार से टकरा गा और दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

फॉक्स 13 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, विमान में दो लोग सवार थे। इनमें एक 27 वर्षीय पायलट और 27 वर्षीय यात्री शामिल थे। विमान फिक्स्ड विंग मल्टी-इंजन बीचक्राफ्ट 55 बताया जा रहा है। फ्लोरिडा राजमार्ग पुलिस के मुताबिक, पायलट और यात्री दोनों सुरक्षित रहे और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान टोयोटा कैमरी कार से टकराया, जिसे एक 57 वर्षीय महिला चला रही थी। इस टक्कर में वह घायल हुई और उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला को भी हल्की चोटें आई हैं।

अमेरिका की विमानन निगरानी संस्था संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि पायलट ने विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले इंजन में समस्याओं की सूचना दी थी। इस घटना की जांच राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) कर रहा है। एनटीएसबी ने बताया कि विमान मेरिट आईलैंड से एक प्रशिक्षण उड़ान पर उड़ा था, लेकिन उड़ान के कुछ समय बाद दोनों इंजनों में शक्ति चली गई। पायलट को विमान को नजदीकी राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें विमान को कार से टकराते देखा जा सकता है।

इंडोनेशिया के जकार्ता में सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में लगी भीषण आग, 20 लोगों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के केमायोरन इलाके में मंगलवार दोपहर एक सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आग पर काबू पा लिया गया है और इमारत के अंदर राहत व खोजबीन अभियान जारी है। इस जानकारी की पुष्टि सेंट्रल जकार्ता पुलिस प्रमुख सुसात्यो पुरनोमो कोंड्रो ने की।

आग पहली मंजिल से ऊपर की मंजिलों तक फैल गई : कोंड्रो के अनुसार आग दोपहर के समय इमारत की पहली मंजिल पर लगी और धीरे-धीरे ऊपर की मंजिलों तक फैल गई। जिस समय आग लगी, कई कर्मचारी लंच कर रहे थे, जबकि कुछ ऑफिस से बाहर जा चुके थे।

आग के कारणों की जांच जारी : जकार्ता डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के प्रमुख इस्नावा अदजी ने बताया कि आग के कारणों की जांच जारी है और नुकसान के आकलन पर काम हो रहा है। उनके मुताबिक आग कैसे लगी, यह अब भी जांच

का विषय है। अधिकारियों ने आग बुझाने के लिए 28 फायर ट्रक और 101 कर्मियों को तैनात किया था। मृतकों और घायलों को पहचान और इलाज के लिए पूर्वी जकार्ता के क्रामत जाति पुलिस हॉस्पिटल ले जाया गया। यह इमारत टेरा ड्रोन इंडोनेशिया का मुख्यालय है, जो खनन, कृषि समेत कई क्षेत्रों में ग्राहकों को हवाई सर्वे ड्रोन सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है। अधिकारियों का कहना है कि राहत कार्य पूरा होने तक इमारत को पूरी तरह सील रखा जाएगा।

इमरान की बहनों ने अडियाला जेल के बाहर डाला डेरा

क्या बड़ी साजिश रच रही है शरीफ सरकार!

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल से रिहाई को लेकर उनकी बहनों ने एक बार फिर अडियाला जेल के बाहर डेरा डाल दिया। पूर्व प्रधानमंत्री की बहनों ने मंगलवार को सैकड़ों समर्थकों के साथ जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है। इस दौरान उन्होंने हिरासत में इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है। दूसरी तरह शहबाज शरीफ की सरकार इमरान खान की रिहाई को और मुश्किल बनाने की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाया जा सकता है।

इससे पहले मंगलवार को इमरान की दोनों बहनें, उज्मा खान और अलीमा खान जेल के गेट के पास प्रदर्शन किया। इस दौरान समर्थकों ने 'सरफरोशी की तमन्ना

अब हमारे दिल में है', 'आजादी आजादी' जैसे नारे भी लगाए। इस मौके पर जेल के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बता दें कि इमरान खान की सेहत को लेकर चिंताओं और उनकी मौत के बाद पिछले सप्ताह उनकी बहन उजमा को पूर्व प्रधानमंत्री से मिलने की इजाजत मिली थी।

खान की बहन डॉ. उज्मा खान ने जेल में अपने भाई से मुलाकात करने के बाद कहा कि उनका स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक है लेकिन उन्हें मानसिक यातना दी जा रही है। वहीं उज्मा की मुलाकात के बाद पीटीआई ने एक बयान में कहा था कि इमरान खान को खान को दिन के अधिकतर समय जेल की कोठरी में ही रखा जाता है और केवल थोड़ी देर के लिए बाहर जाने की अनुमति दी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इमरान खान को किसी से बात करने की अनुमति भी नहीं है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं।

क्या साजिश रच रही शहबाज सरकार : इससे बीच न्यूज 18 ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान का राजनीतिक तबका पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाने और उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पर प्रतिबंध लगाने पर की तैयारी में है।

सूत्रों का दावा है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की आसिम मुनीर के इशारों पर सरकार कई तरह के और प्रतिबंध लगाने पर भी विचार कर रही है। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने कहा है कि इमरान खान का राजनीतिक विरोध और देश के संस्थानों के साथ टकराव पाकिस्तान को एक खतरनाक स्थिति में डाल सकता है।

मेहुल चोकसी की अपील बेल्जियम के सुप्रीम कोर्ट में भी खारिज, जल्द होगा भारत प्रत्यर्पण?

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम की सर्वोच्च अदालत 'कोर्ट ऑफ कैसेशन' ने भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया है। यह फैसला भारत के पक्ष में गया है और अब चोकसी के प्रत्यर्पण की औपचारिक प्रक्रिया बेल्जियम में आगे बढ़ सकती है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

ब्रसेल्स में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील के 17 अक्टूबर के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने साफ कहा कि चोकसी की यह दलील निराधार है कि भारत भेजे जाने पर उसे यातना का जोखिम है। ब्रसेल्स के महाधिवक्ता हेनरी वेंडरलिंडेन ने ईमेल के जरिए बताया- सर्वोच्च अदालत ने चोकसी की अपील खारिज कर दी है। इसलिए निचली अदालत का फैसला ही प्रभावी रहेगा।

मेहुल चोकसी ने पंजाब नेशनल बैंक में 13000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के मामले में भारत प्रत्यर्पण को चुनौती दी थी। एंटवर्प की अपीली अदालत ने चोकसी के प्रत्यर्पण के भारत के अनुरोध को लागू-योग्य बताते हुए बरकरार रखा था। एंटवर्प में अपीली अदालत के चार सदस्यीय अभियोग कक्ष को 29 नवंबर, 2024 को जिला अदालत के 'प्री-ट्रायल चैंबर' द्वारा जारी आदेशों में कोई खामी नहीं मिली। जिला अदालत ने मई 2018 और जून 2021 में मुंबई की विशेष अदालत द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू-योग्य बताया था और चोकसी के प्रत्यर्पण की अनुमति दी थी।

उसके अपहरण के दावे का कोई ठोस सबूत नहीं है : चोकसी ने दावा किया था कि 2021 में अण्टीगुआ और बारबूडा में उसका अपहरण भारत की मदद से कराया गया था। अदालत ने कहा कि इंटरपोल की सीसीएफ रिपोर्ट भी इस दावे की पुष्टि नहीं करती और बहुत सतर्क शब्दों में लिखी गई है। अपीली अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि 13,000 करोड़ रुपये के पीएनबी घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किए जाने पर निष्पक्ष सुनवाई से वंचित किए जाने या किसी प्रकार के दुर्व्यवहार का कोई जोखिम नहीं है।

900 करोड़ के बंगले में शिफ्ट होंगे न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी

न्यूयार्क, एजेंसी। पिछले महीने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद के चुनाव को जीतकर इतिहास रचने वाले जोहरान ममदानी एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। इस बार इसकी वजह उनका नया ऐलान है। दरअसल न्यूयॉर्क के निर्वाचित मेयर ममदानी ने हाल ही में यह घोषणा की है कि वे 1 जनवरी को पद संभालने के बाद मैनहट्टन में स्थित मेयर आवास में शिफ्ट होने जा रहे हैं। अपने चुनाव अभियान में अफोर्डेबिलिटी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने वाले ममदानी के इस 100 मिलियन डॉलर वाले बंगले में शिफ्ट होने के फैसले को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा है कि वह और उनकी पत्नी मैनहट्टन के मेयर रेजिडेंस में जाने के लिए तैयार हैं। ममदानी ने कहा है कि उन्होंने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने लिखा, 'मेरी पत्नी रमा और मैंने जनवरी में ग्रेसी मेंशन में जाने का फैसला किया है। यह फैसला हमारे परिवार की सुरक्षा और न्यूयॉर्क के लोगों ने जिस किफायती आवास के एजेंडे के लिए वोट दिया था, उस पर अपना पूरा ध्यान देने के महत्व को देखते हुए लिया गया है।'

10,000 वर्ग फुट में फैला है मेंशन : ग्रेसी मेंशन शहर के पॉश अपर ईस्ट साइड में स्थित है। ईस्ट रिवर के किनारे 10,000 वर्ग

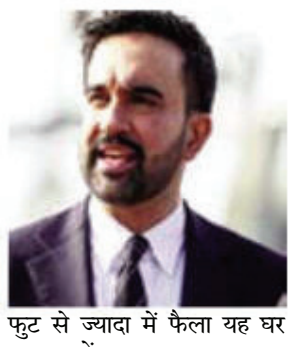

फुट से ज्यादा में फैला यह घर 1799 में बनाया गया था। यह हवेली 1942 से न्यूयॉर्क के मेयर का आवास रही है। हालांकि नियमों के मुताबिम मेयर का वहां रहना जरूरी नहीं है। इसके बाद यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या 34 साल के ममदानी, जिन्होंने किफायती आवास जैसी समस्याओं पर चुनाव प्रचार किया था, अपना साधारण दो-बेडरूम वाला घर छोड़ कर इस विला में शिफ्ट होंगे।

झेल चुके हैं आलोचना : इससे पहले ममदानी को इस बात के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है कि वह शुरू से ही सब्सिडी वाले आवास में रह रहे थे। इस घर के लिए वह हर महीने 2,300 डॉलर का किराया दे रहे थे, जो शहर के मानकों के हिसाब से कम माना जाता है। विरोधियों का तर्क था कि न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य के रूप में उनकी सैलरी और उनकी पत्नी की आय को देखा जाए तो वे किराए की सब्सिडी के बिना भी गुजारा कर सकते थे।

यूरोप का समर्थन जुटाने पर जेलेंस्की का जोर, रूस को क्षेत्र सौंपने से इनकार किया

कीव, एजेंसी। रूस के साथ समझौते के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने किसी भी क्षेत्र को छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। यूक्रेन के लिए यूरोपीय समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे जेलेंस्की ने कहा, ''निस्संदेह, रूस इस बात पर ज़ोर दे रहा है कि हम अपने क्षेत्र उसे सौंप दें। ज़ाहिर है, हम कुछ भी नहीं छोड़ना चाहते। हम इसी के लिए लड़ रहे हैं। जेलेंस्की ने सोमवार देर रात व्हाट्सएप पर संवाद में पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''क्या हम कोई क्षेत्र छोड़ने पर विचार कर रहे हैं? क़ानून के अनुसार, हमारे पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। यूक्रेन के क़ानून, हमारे संविधान, अंतरराष्ट्रीय क़ानून और, सच कहूं तो, हमारे पास नैतिक अधिकार भी नहीं है।'' वहीं, 'पोलिटिको' के साथ एक साक्षात्कार में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से ज़ेलेंस्की पर अमेरिका के इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला कि यूक्रेन रूस को अपना क्षेत्र सौंप दे। जेलेंस्की ने मंगलवार को रोम के बाहर स्थित पोप निवास, कास्टेल गंडोल्फो में पोप लियो 14वें से मुलाकात की। वह इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से भी बातचीत करेंगे। वेटिकन ने कहा कि पोप ने ''बातचीत जारी रखने की आवश्यकता दोहराई और वर्तमान राजनयिक पहल से न्यायपूर्ण एवं स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद जताई। सोमवार को, जेलेंस्की ने लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टारमर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ के साथ बातचीत की। अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने शनिवार को तीन दिन की वार्ता पूरी कर ली, जिसका उद्देश्य अमेरिकी प्रशासन के शांति प्रस्ताव पर मतभेदों को दूर करना था। इस योजना में एक प्रमुख अड़चन यह सुझाव है कि यूक्रेन को डोनबास क्षेत्र का

नियंत्रण रूस को सौंपना होगा। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने क्षेत्र सौंपने के विचार का कड़ा विरोध किया है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने कल रात देश भर में विभिन्न प्रकार के 110 ड्रोन दागे। अधिकारियों ने बताया कि वायु रक्षा प्रणाली ने 84 ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। पूर्व के हमलों के कारण कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रूस के विभिन्न क्षेत्रों और क्रीमिया में 121 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया।

लिथुआनिया ने बेलारूस से आए गुब्बारों पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया

विनियस, एजेंसी। लिथुआनिया की सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। वजह हैं हाल के हफ्तों में बेलारूस से उड़कर आए मौसम संबंधी गुब्बारे, जिन्हें लिथुआनिया अपनी हवाई सीमा का उल्लंघन और सुरक्षा खतरा मान रहा है। इन गुब्बारों की वजह से लिथुआनिया को बार-बार अपना मुख्य हवाई अड्डा बंद करना पड़ा, जिससे हजारों यात्री फंस गए। यूरोप पहले ही यूक्रेन युद्ध के दौरान नाटो देशों की हवाई सीमा में हुई घुसपैठ को लेकर अलर्ट पर है। प्रधानमंत्री इंगा रुगीनीएने ने कहा बेलारूस की इस हाइब्रिड हमले की रणनीति से निपटने के लिए हमें सख्त कदम उठाने होंगे।

दूसरे टी20आई से पहले हरमनप्रीत कौर और युवराज सिंह के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे पुरुष टी20आई से पहले भारतीय महिला कप्तान हरमनप्रीत कौर और पूर्व पुरुष ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन किया गया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (PCA) के कार्यवाहक सचिव सिद्धांत शर्मा ने हरमनप्रीत और युवराज को उनके नाम पर स्टैंड का नाम देकर सम्मानित करने के बारे में बताया था।

गुरुवार को उद्घाटन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और
अध्यक्ष अमरजीत मेहता ने किया जिसमें BCCI अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद थे। पिछले महीने हरमनप्रीत ने नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में ODI विश्व कप खिताब जीतकर महिला क्रिकेट में भारत को पहली सीनियर ICC ट्रॉफी दिलाकर इतिहास रचा था।

इस बीच युवराज ने भारत की दोहरी विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें 2007 में पहला टी20 विश्व कप और 2011 में ODI विश्व कप शामिल है। उन्होंने सफेद गेंद क्रिकेट में खेल के महान मैच विजेताओं में से एक के रूप में अपनी विरासत को मजबूत किया था। युवराज दूसरे टी20आई से पहले भारतीय टीम के साथ भी शामिल हुए और सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को कुछ सलाह दी।

हरमनप्रीत तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं जिनके नाम पर स्टैंड का नाम रखा गया है। इससे पहले झूलन गोस्वामी (ईडन गार्डन्स, कोलकाता) और मिताली राज (ACA-VDCA क्रिकेट स्टेडियम, विशाखापत्तनम) जैसी दिग्गज खिलाड़ियों को यह सम्मान दिया गया था। मान और अन्य PCA पदाधिकारियों की उपस्थिति में हरमनप्रीत, अमनजोत कौर और हरलीन देओल को 11 लाख रुपए के नकद पुरस्कार भी दिए गए जबकि विश्व कप विजेता टीम के फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया।

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले डिविलियर्स, गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते।' उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है।' भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि इसका संबंध भारतीय क्रिकेट की गहराई से है।'

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो भारतीयों को मिली जगह

मेलबर्न । नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी।

भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नीलसन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खोली गई राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।' ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरुआत में नामीबिया पहुंचेगी और नौ से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 पुरुष टीम

ओलिवर पीक, कैसी बार्टन, नादेन कूरे, जेडन ड्रेपर, बेन गॉर्डन, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लाचमंड, विल मलाजचुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर, एलेक्स ली यंग।

बीसीसीआई की आम बैठक में घरेलू महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित कई अन्य मामलों पर होगी बात

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना आम बैठक इसी माह 22 दिसंबर को होगी। एपेक्स कमेटी की इस बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच मामलों पर बात हो सकती है। इसमें घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस को बढ़ाने पर भी बात होगी। इस बार एकदिवसीय विश्वकप में महिला टीम की शानदार जीत से भी खिलाड़ी उत्साहित है और ऐस में उन्हे मैच फीस में बदलाव की उम्मीद है। बीसीसीआई भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुशी है और प्रतिभाओं को आगे लाने मैच फीस बढ़ाने पर फैसला ले सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के वेतन में समानता है पर घरेलू प्रतियोगिताओं में अब तक ऐसा नहीं हुआ है। वहीं इस बैठक में क्रिकेटरों के केन्द्रीय अनुबंध पर भी बात होगी। इसके अलावा बीसीसीआई अंपायरों की मैच फीस में भी बदलाव करना चाहता है। उसको भी लेकर इस बैठक में विचार किया जाएगा। इसके अलावा कई और मामले भी इस बैठक में उठेंगे।

सैमसन की प्रशंसा वाले गंभीर के पुराने पोस्ट वायरल होने के बाद प्रशंसकों ने उठाये सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब तक भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के साथ ही मध्यक्रम सहित कई जगहों पर आजमाये गये हैं और उनका प्रदर्शन भी ठीक रहा है। इसके बाद भी उन्हें हमेशा ही बाहर कर दिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में भी शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें अवसर नहीं मिला। इसी को लेकर अब प्रशंसकों का गुस्सा फूटा है। इस बार प्रशंसकों ने अनोखे अंदाज में अपनी नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के तीन पुराने पोस्ट जारी किये हैं जिसमें गंभीर सैमसन की प्रशंसा करते दिख रहे हैं।

ये पोस्ट 2019 और 2020 के हैं, तब सैमसन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से जबरदस्त बल्लेबाजी कर रहे थे पर उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पा रही थी। गंभीर ने तब सैमसन को न केवल

बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज बल्कि उन्हें विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के योग्य बताया था। वहीं अब जबकि गंभीर भारतीय टीम के कोच है फिर भी सैमसन को टीम में जगह नहीं मिल पा रही है। पहले उन्हें कप्तान शुभमन गिल की वापसी के बाद सलामी बल्लेबाजी से बाहर किया गया। वहीं अब मध्यक्रम से भी बाहर कर दिया गया है।

सैमसन और शुभमन गिल के टी20 में आंकड़े देखें तो यह साफ है कि सैमसन आंकड़ों के हिसाब से उनसे कहीं आगे है। सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टी20 में तीन शतक और एक अर्धशतक लगाया है जबकि शुभमन ने एक शतक ही लगाया है।

गंभीर का पहला वायरल पोस्ट 22 सितंबर 2020 का है, जहां उन्होंने लिखा, यह अजीब है कि सैमसन को केवल भारतीय टीम में जगह नहीं मिलती। बाकी सब जब अवसर मिल जाते हैं।

वहीं एक और पोस्ट में गंभीर ने कहा, सैमसन अभी भारत के सबसे अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिये।

गंभीर ने एक और पोस्ट में कहा कि सैमसन की स्किल्स देखकर खुशी हुई कि वह भारत का सबसे अच्छा विकेटकीपर-बल्लेबाज है, मेरे लिए वह विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध में शुभमन हो सकते हैं प्रमोट, विराट और रोहित होंगे डिमोट

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की इसी माह 22 दिसंबर को होने वाली सालाना जनरल बैठक (एजीएम) में केन्द्रीय अनुबंध पर बड़ा फैसला लिया जा सकता है ।इसमें एकदिवसीय और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को प्रमोट कर ए प्लस ग्रेड में रखा जाना तय है ।वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को डिमोट किया जा सकता है ।इसका कारण है कि अब विराट और रोहित केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलते हैं ।वहीं नियमों के अनुसार ए प्लस अनुबंध तीनों प्रारुप खेलने वालों को ही दिया जाता है ।इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले इन दोनो ने ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था ।वहीं साल 2024 टी20 विश्वकप के बाद टी20 प्रारुप से भी संन्यास ले लिया था ।

रोहित और कोहली की जोड़ी अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में पहले और दूसरे नंबर पर बनी हुई है ।अभी ए प्लस सूची में विराट और रोहित के अलाव जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा भी शामिल हैं ।ग्रेड ए प्लस अनुबंध में सालाना सात करोड़ रुपये जबकि ए में पांच, वहीं बी में तीन और सी में एक करोड़ रुपये मिलते हैं ।बीसीसीआई के नियमानुसार अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने एक सत्र में 3 टेस्ट मैच या 8 एकदिवसीय या 10 टी20 मैच खेले हों ।

सैमसन के रहने से मुझे बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है : जितेश

मुम्बई ।भारतीय टीम में आज सीमित ओवरों के खेल में विकेटकीपर की जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है ।टीम के पास संजू सैमसन, जितेश शर्मा और ऋषभ पंत जैसे विकेटकीपर हैं। विकेटकीपिंग में सैमसन और जितेश के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है ।वहीं इस तरह के माहौल से ड्रेसिंग रूम में तनाव की संभावनाओं को जितेश ने गलत बताया और कहा कि उन्हें सैमसन की मौजूदगी से तो उन्हें प्रेरणा ही मिलती है ।जितेश ने कहा कि मुझे सैमसन के साथ टीम में रहने पर काफी अच्छा अनुभव हुआ है ।मुझे उससे काफी कुछ सीखने को मिला है ।वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह हैं ।जितेश के अनुसार इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ियों को अपने खेल का स्तर ऊंचा करने की प्रेरणा मिलती है ।उन्होंने कहा, 'स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी बेहतरीन प्रतिभा निककर बाहर आती है जिससे टीम को लाभ होता है।' सैमसन के दल में रहने को फायदेमंद बताते हुए जितेश ने कहा, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। ऐसे में अगर मुझे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा ।वहीं अब तक के आंकड़ों को देखें तो सैमसन कहीं आगे हैं ।सैमसन ने अब तक 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं ।उनमें उनके नाम 995 रन है ।उनका औसत 25 ।51 और स्ट्राइक रेट 147 ।4 का है ।उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्री में 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं ।सैमसन ओपनर के तौर पर ही सबसे ज्यादा सफल रहे हैं ।2022 में उन्हें पहली बार ओपनिंग का मौका मिला ।अब तक बतौर ओपनर उन्होंने 14 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 512 रन हैं ।औसत भी 39 ।38 का है और स्ट्राइक रेट 182 ।2 का ।उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में अपने तीनों शतक बतौर ओपनर जड़े हैं ।इसके अलावा ओपनिंग करते हुए उन्होंने एक अर्धशतक भी जड़ा है ।

जूनियर विश्व कप हॉकी : भारत का दो गोल से पिछड़ने के बाद ऐतिहासिक प्रदर्शन, 9 साल बाद जीता पदक

चेन्नई (एजेंसी)। दो गोल से पिछड़ने के बाद मेजबान भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 9 साल बाद पुरुषों के जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए प्ले-ऑफ मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। मेजबान टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार 4-2 से वापसी करते हुए जीत हासिल की और सिर्फ 11 मिनट के छोटे से समय में चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया।

निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे') और सैंटियागो फर्नांडीज ने (44वें) मिनट में मेहमान टीम को बढ़त दिलाई थी जिसके बाद भारत के लिए अंकित पाल ने (49वें), मनमीत सिंह ने (52वें), शरदानंद तिवारी ने (57वें) और अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल किए। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और अर्जेंटीना के डिफेंस में सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि यह मेहमान टीम थी जिसने खेल के विपरीत जाकर बढ़त हासिल की, जब निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला।

एक गोल के बाद मेजबान टीम ने जोरदार जवाब दिया और तुरंत बराबरी की तलाश में थी। भारत को पहले क्वार्टर के अंत में लगभग एक मौका मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए यह एक उत्साहजनक शुरुआत थी, उन्होंने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने पहले क्वार्टर में छोड़ा था। वे खेल में अपनी पकड़ बनाने लगे और अधिक महत्वपूर्ण मौके बनाए, जिससे

अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव पड़ा जो ज्यादातर मौकों पर मजबूत बना रहा। दिलराज सिंह ने गोल पर शॉट लगाया, जबकि मेजबान टीम ने पहले हाफ में आठ सकर्ल पेनिट्रेशन के साथ कुछ आधे मौके बनाए और बराबरी की तलाश में गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि अर्जेंटीना ने पहले हाफ को 1-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। वे हमले में लगातार बने रहे, और अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा जो पीछे हट रहा था।

मेहमान टीम काउंटर अटैक पर खेलने की कोशिश कर रही थी और उन्हें कुछ मौके भी मिले, लेकिन प्रिंसदीप सिंह ने शानदार डबल सेव करके भारत को खेल में बनाए रखा। अर्जेंटीना ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के अंत में सैंटियागो फर्नांडीज (44वें) मिनट में किये गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। मेजबान टीम अपने पहले गोल की तलाश में आगे बढ़ती रही और लगभग दस मिनट शेष रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में सफल रही। अनमोल एक्का के शानदार ड्रैगफ्लिक की मदद से अंकित पाल ने (49वें) मिनट अर्जेंटीना के गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल किया, जिससे भारत ने एक गोल की बराबरी कर ली। मोमेंटम अपने पक्ष में होने के कारण, भारत ने दो मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर पर इसी तरह का मूव किया, जिसमें मनमीत सिंह ने (52वें) मिनट अनमोल एक्का के सेटअप का फायदा उठाते हुए भारत को बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद भारत को एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला और शारदानंद तिवारी ने (57वें) मिनट में कोई गलती नहीं की और मैच खत्म होने में तीन मिनट से भी कम समय बचा था, तब भारत को बढ़त दिला दी। अपने तीसरे गोल की तलाश में, अर्जेंटीना ने बिना गोलकीपर के खेलने का फैसला किया। उन्हें एक पेनल्टी कॉर्नर से मौका मिला, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसे विफल कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल से जीत पक्की कर ली।

ग्यारह मिनट में चार गोल के साथ भारत ने FIH हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में कांस्य पदक हासिल करने के लिए एक शानदार वापसी की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों को 5 लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ को 2.5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

हार के बाद रियल मैड्रिड के खिलाड़ी हुए बेकाबू, कई प्लेयर्स पर लगे प्रतिबंध

मैड्रिड ।सेल्टा विगो से हार के बाद रियल मैड्रिड पर मुख्य रूप से रेफरी के साथ दुर्व्यवहार के कारण उसके खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाए गए है ।रियल मैड्रिड को सेल्टा विगो के साथ मैच के दौरान दूसरे हाफ में डिफेंडर फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास और फॉरवर्ड एंड्रिक को दिखाए गए रेड कार्ड के लिए भारी अनुशासनात्मक कीमत चुकानी पड़ी ।गार्सिया पर स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (RFEF) की अनुशासनात्मक कमेटी ने एक मैच का बैन लगाया है, जिसे वह इस वीकेंड डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ मैच में नहीं खेल सकेंगे ।उन्हें दो येलो कार्ड मिलने के बाद मैच से बाहर कर दिया गया था ।हालांकि, कैरेरास और एंड्रिक को दो मैचों के लिए प्रतिबंधित किया गया है, कैरेरास को रेफरी क्विंटरो गोंजालेज को बाहर किए जाने के बाद 'एरेस मालिसिमो' (तुम बहुत बुरे हो) कहने के लिए सजा दी गई है ।मैदान पर नहीं उतरने वाले एंड्रिक को भी रेड काड 'दिखाया गया और' बेंच से उठकर टेक्निकल एरिया से बाहर जाने, चौथे रेफरी पर चिल्लाने और टेक्निकल स्टाफ के सदस्यों द्वारा रोके जाने की जरूरत पड़ने 'के लिए दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया ।घुटने की सर्जरी के बाद फिलहाल बाहर चल रहे डैनी कार्वाजल को भी मैच के बाद ड्रेसिंग रूम के टनल में रेफरी का अपमान करने के लिए दो मैचों के लिए प्रतिबंधित किया गया है ।

अफरीदी ने रोहित-विराट की सराहना की , गंभीर पर निशाना साधा

लाहौर ।पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि भारतीय टीम को 2027 एकदिवसीय विश्वकप में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरुरत है ।इसलिए इन दोनो को टीम में बनाये रखना चाहिये ।अफरीदी ने कहा कि ये दोनो अनुभवी बल्लेबाज भारतीय टीम की रीढ़ की हड्डी की तरह है ।इसके साथ ही अफरीदी ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी निशाना साधा और कहा कि वह हमेशा जो सोचते हैं जरुरी नहीं कि वह सही हो ।अफरीदी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की भी प्रशंसा की ।उन्होंने कहा कि ये दोनों अनुभवी होने के कारण भारत की एकदिवसीय टीम के लिए फायदेमंद रहेंगे ।ऐसे में भारतीय टीम को इन स्टार खिलाड़ियों का सही उपयोग करना चाहिये ।

अफरीदी ने कहा, 卐ये सही है कि विराट और रोहित भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप की रीढ़ हैं ।जिस प्रकार उन्होंने वापसी करते हुए एकदिवसीय सीरीज खेली है। उससे ये तय है कि उनमें 2027 विश्वकप तक खेलने की क्षमता हैं ।टीम प्रबंधन को इन दोनों खिलाड़ियों को बड़े मुकाबलों के लिए संभालकर रखना चाहिये ।' अफरीदी ने रोहित की तारीफ भी की, जिन्होंने एकदिवसयी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का उनका रिकॉर्ड तोड़ा है ।अफरीदी ने कहा, 'रिकॉर्ड्स टूटने के लिए ही होते हैं और अब ये रिकॉर्ड भी टूट गया है ।मुझे खुशी है कि जिस खिलाड़ी को मैं हमेशा पसंद करता था, उसने ये रिकॉर्ड तोड़ा है ।अफरीदी ने कहा, 'गंभीर ने जिस तरह से अपनी कोचिंग की शुरुआत की, ऐसा लगा कि उन्हें लगता है कि जो वे सोचते और कहते हैं वही सही है, लेकिन कुछ समय बाद साबित हो गया कि आप हमेशा सही नहीं होते ।'

भारतीय जर्सी पहनना ही हमें प्रेरित करता है, विश्व कप की जीत पर बोलीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने बताया कि उन्हें क्रिकेट से बढ़कर कुछ भी प्यारा नहीं है। 29 वर्षीय इस स्टार क्रिकेटर ने भारत के साथ आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने के अपने अनुभव के बारे में भी खुलकर बात की। भारतीय महिला टीम ने 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप खिताब जीता।

मंधाना ने अमेज़न संभव समिट में कहा कि मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट से बढ़कर मुझे कुछ और प्यारा है। भारतीय जर्सी पहनना ही हमें प्रेरित करता है। आप अपनी सारी परेशानियां भूल जाते हैं, और यही सोच आपको जीवन पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। बचपन से ही बल्लेबाजी का जुनून मुझमें था। कोई इसे समझ नहीं पाया, लेकिन मेरे मन में हमेशा से विश्व चैंपियन बनने का सपना था। भारतीय उप-कप्तान ने कहा, ÷विश्व कप जीत वर्षों के संघर्ष का फल है। हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मैं 12 साल से अधिक समय से क्रिकेट खेल रही हूं और कई बार हालात हमारे पक्ष में नहीं रहे। फाइनल से पहले हमने इसकी कल्पना की थी, और जब आखिरकार हमने इसे स्क्रीन पर देखा, तो हमारे रोंगटे खड़े हो गए। यह हम सभी के लिए एक खास पल था।÷

इससे पहले, रविवार को मंधाना ने पुष्टि की कि संगीतकार पलाश मुच्छल से उनकी शादी रद्द हो गई है, जिससे हफ्तों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया। यह घोषणा उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक सार्वजनिक पोस्ट में की, जिसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान ने कहा कि पिछले महीने समारोह के अचानक स्थगित होने के बाद फैल रही अफवाहों पर उन्हें जवाब देना जरूरी लगा। मंधाना ने दोनों परिवारों के लिए निजता बनाए रखने का अनुरोध किया है।

मंधाना ने अपने पोस्ट में लिखा कि पिछले कुछ हफ्तों से मेरे जीवन को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए इस बारे में बोलना जरूरी है। मैं बहुत ही निजी व्यक्ति हूं और मैं इसे इसी तरह रखना चाहती हूं, लेकिन मुझे यह स्पष्ट करना है कि शादी रद्द हो गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा ही करने का अनुरोध करती हूं। मैं आप सभी से निजता का सम्मान करने का अनुरोध करती हूं और हमें अपने हिसाब से आगे बढ़ने और इस पर विचार करने का समय देने की अपील करती हूं।

तान्या मित्तल ने बिग बॉस 19 के अपने सफर के बारे में खुलकर बात की

बिग बॉस 19 के पांच फाइनलिस्ट में से तान्या मित्तल एक थीं। वह फिनाले में बाहर हुईं। उन्होंने रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की है। तान्या ने कहा कि वह अक्सर घर में बहुत अकेला और तन्हा महसूस करती थीं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें दोस्ती करने में बहुत मुश्किल होती थी। आइए जानते हैं तान्या मित्तल ने शो के बारे में और क्या कहा है?

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए तान्या मित्तल ने बताया कि कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ अच्छा रिश्ता था लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब हमारे रिश्ते में तनाव आ गया। उन्होंने कहा, नीलम ने एक समय मुझसे सवाल पूछा कि क्या तुम झूठ बोलती हो? वह गुस्से में थीं और मुझ पर चिल्लाई थीं।

कल्पू काका से है दोस्ती

उन्होंने बताया मैंने एक पेड़ से दोस्ती की, जिसका नाम कल्पू काका है। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ एक ही दोस्त बना सकती हूं, और वो हैं कल्पू काका। बिग बॉस ने मुझे वो पेड़ लाने नहीं दिया। अगर मेरे दोस्त मेरे साथ होते, तो मुझे चीजों से बात नहीं करनी पड़ती। मुझे घर में बहुत अकेलापन और तन्हापन महसूस होता था। मुझे घर में बहुत खोया हुआ महसूस होता था। मैंने कभी झूठ नहीं बोला।

हार नहीं मानती तान्या मित्तल

शो में उनके सबसे खुशी के पल के बारे में पूछे जाने पर, तान्या ने कहा, मैं शो में बहुत रोई हूं, मैं आपको बता नहीं सकती कि किस पल ने मुझे बहुत खुश किया। हर दिन एक नया चैलेंज होता था, मुझसे वो सब करने को कहा जाता था जो मैं करती आई हूं। उन्होंने आगे कहा मेरी सबसे बड़ी खूबी यह है कि चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे मैं कितनी भी टूटी हुई क्यों न होऊं, मैं हार नहीं मानती।

आपको बता दें कि बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद, एक्टर गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 की ट्रॉफी जीती। बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में गौरव खन्ना का मुकाबला टॉप फाइनलिस्ट फरहाना भट्ट से हुआ, वह फर्स्ट रनर-अप रहीं। कंटेस्टेंट तान्या मित्तल, अमाल मलिक और प्रणित मोरे भी टॉप पांच में शामिल थे। गौरव खन्ना को विनर ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की प्राइज मनी दी गई।

तमिल फिल्म वा वाथियार में स्पिरिट रीडर का किरदार निभा रही हैं कृति शेट्टी

अभिनेत्री कृति शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली तमिल फिल्म वा वाथियार को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में उनका किरदार एक स्पिरिट रीडर का है। इस बीच उन्होंने असल जिंदगी में कुछ ऐसा महसूस किया। कृति ने खुलासा किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक एक रात पहले उनके होटल के कमरे में उन्हें एक आत्मा दिखाई दी। इस घटना ने न सिर्फ उन्हें झकझोर दिया, बल्कि उनके किरदार के प्रति विश्वास भी मजबूत कर दिया। कृति ने कहा, मैं निर्देशक नलन कुमारस्वामी की इस फिल्म में एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जो आत्माओं से बात करती है और जो दूसरे लोगों की तुलना में भावनाओं और ऊर्जा को अधिक गहराई से महसूस करती है। सिनेमा में ऐसे किरदार आमतौर पर कम ही देखने को मिलते हैं, खासकर भारतीय फिल्मों में, इसलिए यह मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग अनुभव था। जब मैं इस किरदार की तैयारी कर रही थी, तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि वास्तविक जिंदगी में भी कुछ ऐसा घट सकता है।

कृति ने कहा, मैं बचपन से ही मानती हूं कि आत्माएं होती हैं। मैं तुलु समुदाय से आती हूं, जहां पूर्वजों की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हमारे पूर्वज हमेशा हमारे आसपास होते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आत्माओं की अवधारणा से कुछ हद तक परिचित हूं, लेकिन शूटिंग से पहले का अनुभव मेरे लिए बेहद विचलित कर देने वाला था। उन्होंने बताया, शूटिंग के लिए मैं और टीम एक होटल में रुके हुए थे, उसी रात मुझे किसी आकृति का एहसास हुआ। मैंने पूरा चेहरा नहीं देखा, लेकिन एक साफ-साफ छाया

जैसी आकृति मैंने महसूस की थी। उसी पल जब मैंने लाइट ऑन की, तो अचानक तेज आवाज हुई। उस समय मेरी मां भी साथ थीं। हम दोनों ने महसूस किया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। यह अनुभव इतना वास्तविक था कि इसे भ्रम या कल्पना माना ही नहीं जा सकता। कृति ने कहा, इस फिल्म में स्पिरिट रीडर का किरदार निभाते समय मुझे खुद भी लगता था कि शायद दर्शकों को ऐसी बातें अविश्वसनीय लगेंगी। लेकिन जैसे ही ये घटना घटी, मुझे लगा जैसे कोई मेरे इस किरदार में पूरी तरह ढलने के लिए संकेत दे रहा हो। फिल्म वा वाथियार में कृति के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं।

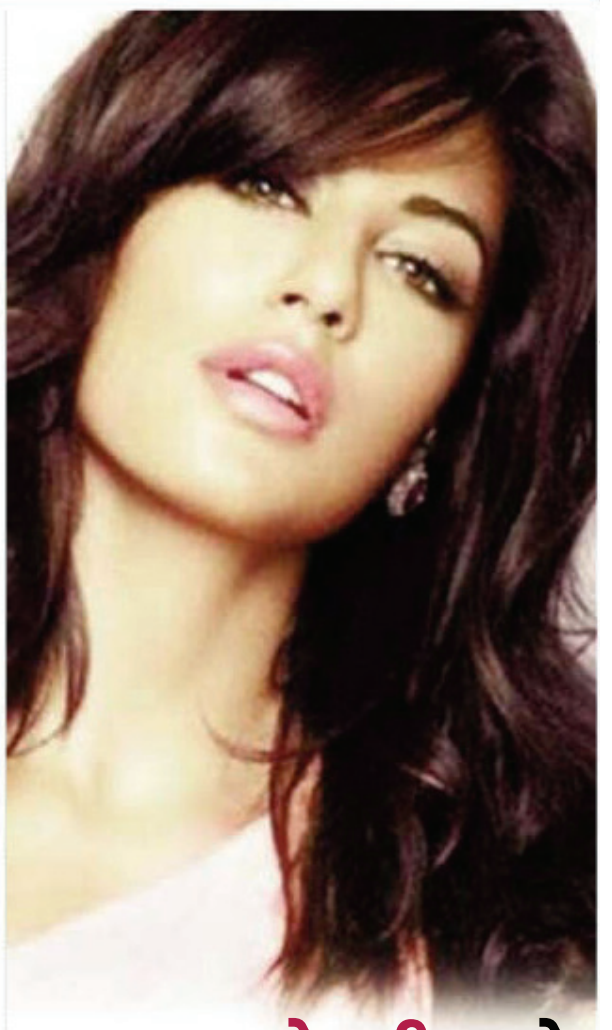

रात अकेली... में चुनौतियां पैदा करता दिखेगा चित्रांगदा सिंह का किरदार

नेटफ्लिक्स की सफल थ्रिलर फिल्म रात अकेली है का दूसरा पार्ट 5 साल बाद आ रहा है। इस सीक्वल की राइटर स्मिता सिंह ने बताया कि कैसे एक ओपन एंड शट हत्याकांड ने उन्हें दोबारा लिखने के लिए प्रेरित किया और कैसे इस बार इंस्पेक्टर जटिल यादव के रूप में नवाजुद्दीन का किरदार सामाजिक साजिश का सामना करेगा, वह गढ़ना था। बकौल स्मिता... पहले पार्ट में कहानी एक बंद घर और सीमित माहौल के अंदर हुई हत्या पर थी, जबकि इस नए पार्ट में हत्या पूरे देश के सामने जाहिर है। अपराध के हर पहलू के साथ यह पब्लिक केस है लेकिन फिर भी इसके अंदर एक बड़ी साजिश छिपी हुई है, जिसे सिर्फ जटिल यादव ही समझ सकता है। स्मिता ने इस बात पर भी जोर दिया कि दूसरा पार्ट आर्टिकल 15 जैसे सोशल कॉमेंट्री वाले मिजाज में है। जहां पहला पार्ट स्मॉल टाउन हत्याकांड का अनुभव देता था, वहीं दूसरा पार्ट पूरे देश की नजरों के सामने ओपन एंड शट केस पेश करता है, जिसे देखना और समझना दोनों ही दर्शकों के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होगा। खास बात है कि इसमें दुनिया जिसको हत्यारा मान रही है, वह जटिल यादव की नजरों में वह नहीं है। अब इस बार दांव बड़ा है, जो हो रहा है, ऐसा लग रहा है कि सबको पहले से पता है। नवाज के किरदार जटिल को मारधाड़ में यकीन कम पिहले पार्ट में जटिल का किरदार रूखा और गंभीर था लेकिन अब उसके जीवन में प्यार आने के कारण वह अधिक पॉजिटिव नजर आता है।

बावजूद इसके उसकी इंसिक्योरिटी और प्रोफेशनल फ्रस्ट्रेशन अब भी मौजूद हैं। कहानी में चित्रांगदा का किरदार जटिल यानि नवाज के लिए चुनौतीपूर्ण और ट्रैजिक है जो उस क्लास को दिखाता है जिसे लगता है कि उनके सामने पूरी दुनिया ही नहीं है। चित्रांगदा का कैरेक्टर बहुत कॉम्प्लेक्स और ट्रैजिक है।

रजनीकांत स्टारर जेलर 2 में कैमियो कर सकते हैं शाहरुख

रजनीकांत की आगामी फिल्म जेलर 2 को लेकर बड़ा बज सोशल मीडिया पर बना हुआ है। चर्चा है कि शाहरुख खान इसमें स्पेशल कैमियो करते नजर आ सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म का स्केल बढ़ाने के लिए एक बड़े हिंदी सुपरस्टार को जोड़ना चाहते हैं और शाहरुख का नाम टॉप पर है। दावा है कि शाहरुख के हिस्से की शूटिंग के लिए मार्च 2026 की विंडो तय की गई है, हालांकि टीम की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं। इससे पहले रजनीकांत की फिल्म कुली में आमिर खान कैमियो कर चुके हैं। फिल्म के निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं, जिन्होंने पहली फिल्म जेलर (2023) को ब्लॉकबस्टर बनाया था। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख को कथित तौर पर कुली में भी एक कैमियो के लिए संपर्क किया गया था। हालांकि, उन्होंने कुछ कारणों से इस ऑफर को ठुकरा दिया था। जिसके बाद आमिर खान को जगह मिली थी। जेलर 2 कथित तौर पर पहली फिल्म की घटनाओं के बाद शुरू होगी, जिसमें मुथुवेल पांडियन का पीछा किया जाता है क्योंकि वो बदला लेने के लिए मूर्ति-तस्करी सिंडिकेट से भिड़ जाता है। कहा जाता है कि सीक्वल इस नए आपराधिक नेटवर्क की खोज को दिखाएगा। अभिषेक बच्चन भी दिखेंगे।

मोहनलाल की एक और फिल्म के रीमेक में दिख सकते हैं अजय

ऑपरेशन जावा और सऊदी वेलक्का जैसी फिल्मों के निर्देशक थरुन मूर्ति इस साल मोहनलाल स्टारर थुदारुम की जबरदस्त सफलता के बाद से सुर्खियों में हैं। फिल्म ने दुनियाभर में 235 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। इसी के बाद निर्देशक को हिंदी और तेलुगु में रीमेक ऑफर्स भी मिलने लगे। थरुन ने बताया कि हिंदी रीमेक के लिए अजय देवगन का नाम गंभीरता से चर्चा में है। अगर हिंदी रीमेक बनता है तो मैं अजय के लिए काफी मेहनत करूंगा, क्योंकि उनका स्टंट बैकग्राउंड कमाल का है। उनके पिता वीरू हिंदी सिनेमा के जाने-माने ऐक्शन डायरेक्टर रहे हैं। थुदारुम में मोहनलाल भी एक पूर्व स्टंटमैन का किरदार निभाते हैं, जो परिवार के साथ सादी जिंदगी बिताते हुए कार-फॉर-हायर सर्विस चलाता है। थरुन ने माना कि बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स की वजह से फिलहाल रीमेक को तुरंत शुरू करना मुश्किल है लेकिन प्रोजेक्ट की चर्चा जारी है और जल्द आधिकारिक ऐलान हो सकता है। इसके अलावा थरुन की टॉरपीडो भी आनी है।

मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं

राम गोपाल वर्मा एक बार फिर से मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म कर रहे हैं। इसका टाइटल पुलिस स्टेशन में भूत है। उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स पर हुई खास बातचीत...

क्या मानते हैं कि हॉरर फिल्मों के लिए अब ऑडियंस चेंज हुई है?

मुझे नहीं लगता कि ऑडियंस चेंज हुई है। रामसे ब्रदर्स ने सफल हॉरर बनाई, फिर आगे चलकर उनकी फिल्मों में काफी ब्लड दिखना शुरू हो गया। वह फिल्में दर्शकों को शायद अच्छी नहीं लगी। मैंने जब रात और डरना मना है या भूत बनाई तो ब्लड के बजाय साइकोलॉजी का प्रयोग किया। वह सब साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्में थीं। मैंने कैमरा एंगल और साउंड इफेक्ट्स की मदद से सीन में हॉरर का माहौल कायम किया।

क्या इसे भूत की स्पिरिचुअल सीक्वल कह सकते हैं?

बिल्कुल नहीं। पुलिस स्टेशन में भूत एक बिल्कुल अलग कहानी है। भूत से उसका कोई नाता नहीं है। इसकी कहानी एक इंस्पेक्टर की है, जो एक गैंगस्टर को मार देता है। अब उस गैंगस्टर की आत्मा उस पुलिस वाले में समा जाती है। ऐसे में, फिर क्या सब होता है, हमारी कहानी उस बारे में है। हम यह भी कहना चाहते हैं कि जब आम इंसान डरता है तो वह पुलिस के पास जाता है। जब पुलिस ही डरे तो क्या होगा।

फिल्म में कितना हेवी वीएफएक्स और कितना रियलिज्म रखा है आपने?

वीएफएक्स है, मगर वह कहानी पर हावी नहीं होती। बाकी मैं हाल के बरसों की हॉरर फिल्में फॉलो करता रहा हूं। मैंने स्त्री, मुंज्या जैसी हॉरर फिल्में देखी हैं। मुझे पसंद भी आई हैं।

सत्या के समय क्या तय कर लिया था कि आम चेहरे वाले किसी युवक को हीरो बनाकर ही दम लेंगे?

मैंने कभी उस पर्सपेक्टिव से फिल्में नहीं बनाई या कलाकारों का चयन हीरो या विलन के तौर पर किया। मैंने हमेशा कहानी, किरदार और हालात के बारे में सोचते हुए उनमें सबसे फिट बैठने वाले कौन कलाकार हो सकते हैं, उससे चीजें तय कीं। उसके ऊपर मैंने कभी यह नहीं सोचा कि मुझे किसी को लॉन्च करना है या किसी को हीरो ही बनाना है। सौभाग्य से तब हमारे प्रोड्यूसर्स भी मेरी बात से सहमति रखा करते थे। इतने वर्षों में शाहरुख के साथ फिल्में क्यों नहीं कीं शाहरुख का जो डिमीनर, कद और आभा है, वह सब बहुत बड़ा है। आम जिंदगी में भी उनसे मिलें तो वे अलग ही लेवल और एनर्जी से लैस महसूस होते हैं लेकिन मेरी फिल्ममेकिंग का स्टाइल कुछ अलग है। मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं। इसलिए मुझे उनके हिसाब की कहानी हो तभी उन्हें अप्रोच करना सही लगता है। बेशक, हमने इतने सालों में चार-पांच बार फिल्म को लेकर मुलाकात की लेकिन स्टोरी डेवलपमेंट के दौरान मुझे लगा कि जो कहानी मैं बनाना चाहता हूं, वह उनके पर जस्टिफाई नहीं करेगी। इसलिए शाहरुख के साथ अभी तक कोई प्रोजेक्ट नहीं हुआ। वहीं अमिताभ बच्चन सर के साथ मामला अलग रहा। उन्होंने मेरी सत्या देखी थी और बाद में कंपनी भी देखी। मैं खुद उनकी दीवार और जंजीर जैसी फिल्मों से इंस्पायर्ड रहा हूं। इन चीजों की वजह से हमारी आपसी बॉन्डिंग गहरी हुई। जब काम करने का मौका आया, तो अनुभव बेहद सकारात्मक रहा और अब हम दोनों आगे और भी स्क्रिप्ट्स पर बातचीत कर रहे हैं।

सलमान खान ने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा को लेकर खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर गुरुवार को न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा सुनवाई करेंगे। सलमान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कई सोशल मीडिया मंचों और ई-कॉमर्स वेबसाइट को उनके नाम, छवियों और व्यक्तित्व के अनधिकृत इस्तेमाल से रोकने और उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने का अनुरोध किया है। हाल ही में अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, जया बच्चन, ऋतिक रोशन और अजय देवगन, फिल्म निर्माता करण जौहर, गायक कुमार सानू, तेलुगु अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक रवि शंकर, पत्रकार सुधीर चौधरी और पॉडकास्टर राज शमानी ने भी अपने व्यक्तित्व एवं प्रचार अधिकारों की सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत भी प्रदान की थी। तेलुगु अभिनेता एनटीआर जूनियर ने भी अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने अभी तक उनकी याचिका पर कोई आदेश पारित नहीं किया है।

कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर एमएलसी ने सिरे से खारिज किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही आंतरिक कलह की अटकलों को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे, एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया ने सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी में नेतृत्व को लेकर कोई अस्पष्टता या खींचतान नहीं है और सब कुछ स्पष्ट है। उन्होंने बताया कि पार्टी हाई कमांड ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि फिलहाल राज्य के नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा है कि वह और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दोनों दिल्ली स्थित कांग्रेस हाई कमांड के किसी भी फैसले का पालन करने वाले है। उन्होंने मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे आंतरिक संघर्ष पर कहा कि वह पार्टी को शर्मिंदा या कमजोर नहीं करना चाहते और उन्हें अंतरात्मा के अनुसार काम करना चाहिए। डीके शिवकुमार का विधायकों (मंत्री एचसी महादेवप्पा और सतीश जारकीहोली सहित) के साथ लगातार बैठकें करना नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अनिश्चितता को बरकरार रखे हुए है। सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों ने दो बार नाश्ते पर मुलाकात की है और पार्टी की एकता पर जोर दिया है। दोनों ही नेता पार्टी हाई कमांड के फैसले का पालन करने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व वाले उच्च कमान द्वारा इस मामले पर जल्द ही कोई स्पष्ट निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

आजम खान आठ साल पुराने मामले में बरी... सेना को लेकर दिया विवादित बयान

रामपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री आजम खान के खिलाफ सेना पर विवादित बयान देने के आठ साल पुराने मामले में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने आरोप साबित न होने पर आजम को दोषमुक्त किया है। इस दौरान आजम वीडियो कान्फ्रेंस के द्वारा न्यायालय में उपस्थित रहे। आजम के अब तक 14 मुकदमे निस्तारित हो चुके हैं। इसमें सात में सजा मिली है, जबकि इतने ही मुकदमों में वे बरी हुए हैं। दरअसल सेना पर विवादित बयान का यह मुकदमा भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जून 2017 को दर्ज कराया था। तब आजम खान सांसद थे। भाजपा विधायक का कहना था कि आजम सपा कार्यालय पर अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। वह केंद्र और प्रदेश सरकार के विरोध में बोल रहे थे। अचानक उन्होंने सेना के जवानों को लेकर आपत्तिजनक बयानबाजी कर दी। आजम खान के अधिवक्ता विनोद शर्मा ने बताया कि न्यायालय ने आरोप साबित नहीं होने पर दोषमुक्त कर दिया है।

महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो सहित अन्य एयर लाइंस की फ्लाइट्स का नियमित संचालन

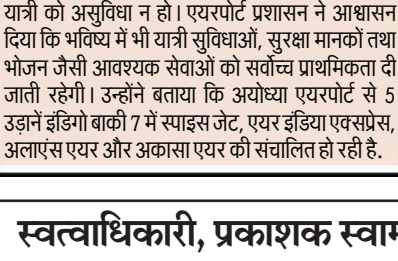

अयोध्या (एजेंसी)। महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस की 5 फ्लाइट्स के साथ अन्य एयर लाइंस की 7 फ्लाइट्स का नियमित संचालन हो रहा है। बुधवार को केवल हैदराबाद की इंडिगो की उड़ान निरस्त की गई है। आगे के दिनों में इसका नियमित संचालन होगा। यह जानकारी एयरपोर्ट के डायरेक्टर धीरेन्द्र सिंह ने दी। एयरपोर्ट के डायरेक्टर सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के सभी ऑपरेशन अब सुचारू रूप से संचालित हैं। यात्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग हो रही है। यात्रियों से उनके अनुभव और फीडबैक भी लिया गया, जिसमें अधिकांश यात्री एयरपोर्ट की सुविधाओं और सेवाओं से संतुष्ट दिखे। विशेष रूप से भोजन व्यवस्था की भी सराहना की गई। यात्रियों को समयानुसार स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि यात्रा के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि सभी वेंडर कंपनियों को निर्देश है कि वे सामानों की कीमत बढ़ाने से परहेज करें। पार्किंग फीस को भी उचित दर पर ही चार्ज कर यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा जाए। निरस्त होने वाली उड़ानों के पैसेंजर्स को 4 दिन पहले ही सूचना दे दी गई थी जिससे यहां यात्रियों की भीड़ नहीं पहुंची। तीन एयर लाइंस के 16 काउंटर बाहरी हिस्से में खोल दिए गए हैं, जिससे वे रिफंड व अन्य समस्या का निपटारा आसानी से कर लें। एयरपोर्ट के डायरेक्टर सिंह ने बताया कि बुधवार को कुल 11 निर्धारित उड़ानों का संचालन होना था, जिसमें से एक उड़ान रद्द रही। रद्द उड़ान की सूचना यात्रियों को पूर्व में ही उपलब्ध करा दी गई थी, ताकि किसी यात्री को असुविधा न हो। एयरपोर्ट प्रशासन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी यात्री सुविधाओं, सुरक्षा मानकों तथा भोजन जैसी आवश्यक सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती रहेगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या एयरपोर्ट से 5 उड़ानें इंडिगो बाकी 7 में स्पाइस जेट, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अलाएंस एयर और अकासा एयर की संचालित हो रही है.

राज्यसभा में चर्चा के दौरान नेहरु को लेकर आपस में भिड़ गए जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खरगे

नड्डा का आरोप, कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर नेहरू हैं। खरगे ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि यह बहस वंदे मातरम को लेकर है या पंडित जवाहरलाल नेहरू को लेकर। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है।

यह सवाल दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गया, जब केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की संस्कृति से समझौता किया है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तब मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है...दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उसमें आस्था है।

इन टिप्पणियों के चलते राज्यसभा में हंगामा शुरु हो गया और स्थिति को शांत करने के लिए अध्यक्ष उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा। नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू की छवि को धूमिल नहीं करना चाहती और उसका एकमात्र उद्देश्य ऐतिहासिक तथ्यों को सही करना है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे... उस समय सत्ता में रहे लोग (सरकार) इस स्थिति के लिए जिम्मेदार थे।

नड्डा ने कहा कि पहले आपने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटा दिए। जून 1947 में आपने भारत को खंडित स्वतंत्रता दी और जिन्ना के सपनों को पूरा साकार कर दिया। उसके बाद आपने पाकिस्तान की गुरिल्ला सेनाओं के सामने पीओके समर्पित किया, खंडित कश्मीर पर कब्जा कर लिया और फिर अनुच्छेद 370 लागू कर दिया... देश समझौतों से नहीं चलता-यही हमारी विचारधारा है।

जापान से लौटकर सीएम मान बोले- 500 करोड़ में सीएम की कुर्सी मिलेगी तो सेवा नहीं उगाही होगी

चंडीगढ़। जापान दौरे से लौटे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि अगर पंजाब में मुख्यमंत्री की कुर्सी 500 करोड़ में मिल रही है तो पहले सीएम 500 करोड़ इकट्ठा करेगा, वो सेवा थोड़ी न करेगा। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान नवजोत कौर सिद्धू के 500 करोड़ में कुर्सी वाले बयान पर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि इन लोगों ने पंजाब का टेंडर लगा दिया है। मंडियों में फसलों की तरह दाम बता रहे हैं। यह एमएलए, एमसी, सीएम के रेट बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने 500 करोड़ देकर कुर्सी ली है तो वह पहले 500 करोड़ इकट्ठा करेगा, सेवा नहीं। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू लगातार कांग्रेस नेताओं के खिलाफ खुलेआम बयानबाजी करती नजर आ रही थीं। इसी कारण पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। अब यह पूरा मामला कांग्रेस हाईकमान तक पहुंच चुका है। बताया जा रहा है कि संसद सत्र के बाद पंजाब कांग्रेस को लेकर दिल्ली में हाईकमान की ओर से बैठक बुलाई जा सकती है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान जापान दौरे से पंजाब लौट आए हैं। यहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मीडिया के साथ अपने विदेश दौरे की जानकारी शेयर की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अपने दौरे के दौरान कई विदेशी कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिले। उन्होंने कहा कि इन मीटिंग्स का मुख्य मकसद पंजाब का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करना, स्किल्स बढ़ाना और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए सहयोग के मौके तलाशना था।

रोहिणी आचार्य ने पोस्ट में लिखी ऐसी बात... लालू और राबड़ी देवी को जरूर चुभेगी

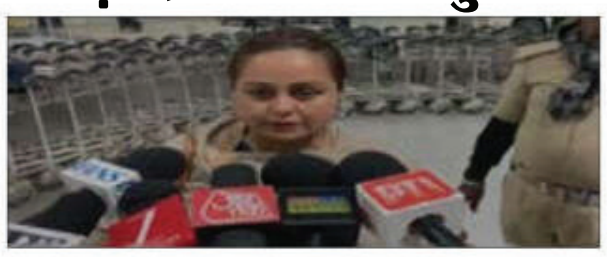

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और अपने परिवार (लालू फैमिली) से नाता तोड़ चुकीं रोहिणी आचार्य ने एक ऐसा पोस्ट कर दिया, जो उनके माता-पिता (लालू और राबड़ी देवी) को जरूर चुभेगा। रोहिणी आचार्य ने एक ओर नीतीश सरकार को आड़े हाथों लिया, दूसरी ओर मायके में उनके साथ हुई कथित बदसलूकी पर भी चुभन वाली बात कही।

लालू यादव की छोटी बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि लड़कियों को 10,000 रुपये देना या साइकिलें बांटना, भले ही नेक इरादे से किया हो, लेकिन ये भारत में महिलाओं के सशक्तीकरण में बाधा डालने वाले व्यवस्थागत मुद्दों को हल करने के मद्देनजर अपर्याप्त है। उन्होंने लिखा कि बिहार में गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक मानसिकता सामाजिक और राजनीतिक, दोनों क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता पैदा करती है।

रोहिणी ने लिखा कि प्रत्येक बेटी को आश्वासन के साथ बड़े होने का अधिकार है कि उसका मायका एक ऐसा सुरक्षित स्थान है, जहां वह बिना किसी डर, अपराधबोध, शर्म या किसी को कोई स्पष्टीकरण दिए बिना लौट सकती है। इस उपाय को लागू करना केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं है, बल्कि अनगिनत महिलाओं को भविष्य में होने वाले शोषण और उत्पीड़न से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

बात दें कि राजद के विधानसभा चुनाव हारने के बाद से लालू परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया था कि उनके साथ मायके में अच्छा व्यवहार नहीं किया। रोहिणी ने इतना तक कहा कि उनके चप्पल तक मारने की कोशिश की गई। इसके लिए उन्होंने पूर्ण रूप से अपने भाई तेजस्वी यादव को जिम्मेदार ठहराया।

गोवा सरकार की मिलीभगत से थाइलैंड भाग गए लूथरा बंधु... आप सांसद संजय सिंह का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने लूथरा बंधुओं के भारत से भागने के मामले की गहन जांच की मांग की है। उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा अधिकारियों की संलिप्तता का आरोप लगाया और कहा कि उनके समर्थन के बिना वे गोवा से नहीं भाग सकते थे। आप सांसद सिंह ने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाकर आलोचना की कि 25 लोगों की दुखद मौत के बावजूद उन्हें भागने से नहीं रोका गया। संजय सिंह ने सवाल उठाया कि जिन व्यक्तियों की लापरवाही से 25 लोगों की जान गई, वे इंडिगो का इस्तेमाल करके भारत से भाग गए, जबकि देश की जनता को उड़ानें उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह अच्छा है कि वे पकड़े गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द वापस लाया जाए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

दरअसल 6 दिसंबर की देर रात बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में भीषण आग लगी। इस घटना में 25 लोगों की जान चली गई, जिनमें 5 पर्यटक और 20 कर्मचारी शामिल थे। लूथरा बंधु, गौरव और सौरभ, इस नाइटक्लब (बर्च बाय रोमियो लेन) के मालिक हैं। एफआईआर के अनुसार, लूथरा बंधुओं ने उचित सुरक्षा सावधानियों का पालन किए बिना एक फायर शो का आयोजन किया और पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए, जिससे यह दुखद घटना हुई। गोवा पुलिस ने 7 दिसंबर को एफआईआर संख्या 154/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105, 125, 125(ए), 125(बी), 287 और धारा 3(5) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया है। गौरव और सौरभ लूथरा अग्निकांड के अगले दिन सुबह ही थाईलैंड के फुकेत रिसॉर्ट शहर भाग गए थे। उन्हें थाईलैंड के फुकेत स्थित एक आव्रजन केंद्र में हिरासत में रखा गया है। यह हिरासत दिसंबर में जारी किए गए ब्लू कॉर्नर नोटिस के आधार पर सुनिश्चित की गई।

राजद को बड़ा झटका : नीतीश कुमार को हराने वाले इस पूर्व सांसद ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल में घमासान मचा हुआ है। हार की जिम्मेदारी कोई लेने को तैयार नहीं है और एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ने के लिए सिर फुटव्वल जारी है। नतीजा ये है कि राजद के कई नेता घर बैठ गए हैं तो कुछ ने पार्टी को ही बाय-बाय कह दिया है। कभी लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पटकनी देने वाले राजद के दिग्गज नेता एवं पूर्व मंत्री विजय कृष्ण ने राजद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो लाल प्रसाद यादव को एक भावुक पत्र भी लिखा है। अपने त्यागपत्र में विजय कृष्ण ने स्पष्ट किया कि वे अब दलगत राजनीति और सक्रिय सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने लिखा कि लंबे विचार-विमर्श के बाद उन्होंने राजनीतिक जीवन से पूरी तरह अलग होने का फैसला किया है और पार्टी से निवेदन किया कि उनका त्यागपत्र स्वीकार किया जाए। विजय कृष्ण की राजनीतिक पहचान 2004 के लोकसभा चुनाव में तब मजबूत हुई जब उन्होंने बाढ़ सीट से तत्कालीन रेलमंत्री नीतीश कुमार को 37 हजार से अधिक वोटों से मात दी थी। इससे पहले वे 1996, 1998 और 1999 में नीतीश कुमार से चुनाव हार चुके थे। 2004 में जीत के बाद वे बिहार सरकार में मंत्री भी बने। अपने राजनीतिक करियर में विजय कृष्ण ने कई बार दल बदले। 2009 में उन्होंने राजद छोड़कर जदयू का दामन थामा। 2010 में वे फिर से राजद में लौट आए। विधानसभा चुनाव में हार के बाद राजद पहले से ही आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में विजय कृष्ण जैसे वरिष्ठ नेता का पार्टी छोड़ना राजद के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

बीजेपी अध्यक्ष पद पर अटकलें तेज, फडणवीस बोले- 2029 में भी मोदी ही करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है, लेकिन इसी बीच पार्टी नेतृत्व ने साफ संकेत दिए हैं कि 2029 का लोकसभा चुनाव भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से हाल ही में इस विषय पर प्रश्न पूछे गए, क्योंकि उन्हें अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों में शामिल बताया जा रहा था। इसके साथ ही उनकी चर्चा पीएम मोदी के उत्तराधिकारी के रूप में भी चल रही थी।

एक कार्यक्रम में फडणवीस से पूछा गया कि क्या वे पीएम मोदी के संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं। जवाब में उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस तरह की चर्चाओं की कोई आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह स्वस्थ हैं और वे ही 2029 में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। फडणवीस ने कहा कि मोदी किसी 40 वर्ष के व्यक्ति से भी अधिक ऊर्जावान हैं, दिन में 17 घंटे से अधिक काम करते हैं और बैठकों के दौरान कभी थकान के संकेत नहीं दिखाते। उन्होंने कहा कि जब तक वह मानसिक और शारीरिक रूप से फिट हैं, तब तक नेतृत्व के लिए किसी और विकल्प पर विचार करने का कोई कारण नहीं है।

फडणवीस का यह बयान उस समय आया है जब कुछ राजनीतिक हलकों में सत्ता परिवर्तन या भविष्य के नेतृत्व को लेकर चर्चा हो रही थी। इसी क्रम में कांग्रेस नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने हाल में अमेरिका में सुर्खियां बनी 'एपस्टीन फाइल्स' का संदर्भ देते हुए दावा किया था कि इस मामले से जुड़े दस्तावेज सामने आने पर भारतीय राजनीति में बड़ा बदलाव संभव है और कोई मराठी नेता प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि इसका असर अगले महीने तक भी दिखाई दे सकता है।

उधर, बीजेपी अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। बीते हफ्तों में संभावित दावेदारों में फडणवीस का नाम भी लिया गया था, हालांकि उन्होंने स्वयं इसे लेकर कोई दावा नहीं किया। साथ ही पार्टी की ओर से भी इस बारे में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। चर्चाओं में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और शिवराज सिंह चौहान के नाम भी शामिल रहे हैं।फिलहाल पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में भी प्रधानमंत्री मोदी ही संगठन और चुनावी रणनीति के केंद्र में रहेंगे, जिससे नेतृत्व परिवर्तन की सभी अटकलों पर विराम लगता दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस सांसद का मोदी सरकार पर तंज... मुझे यकीन है कि वे नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखते

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने संसद में चुनावी सुधारों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन की कड़ी आलोचना कर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में एक दशक से अधिक समय बिताने के बाद भी नेहरू-गांधी परिवार पर ही अटकी हुई है। कांग्रेस सांसद शुक्ला ने दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखती है। उन्होंने सवाल उठाया कि मोदी सरकार बीते 11 वर्षों की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने के बजाय इतिहास का सहारा क्यों लेती रहती है।

कांग्रेस नेता शुक्ला ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि भाजपा कब तक इतिहास की बात करेगी। वे हर बात में नेहरू को घसीटकर ले आते हैं। मुझे यकीन है कि वे नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखते हैं। आप पिछले 11 वर्षों से सरकार में क्या कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का भाषण बहस के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए मुख्य मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहा। शुक्ला की आलोचना का समर्थन कर कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि सरकार चुनावी सुधारों पर चर्चा के दौरान अपेक्षित पारदर्शिता प्रदान करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि जिस पारदर्शिता की उम्मीद थी, वह नहीं दिखी। हरियाणा में जो हुआ, उन्होंने उसके असली सवालों का जवाब नहीं दिया, बल्कि कांग्रेस पर आरोप लगाए। आज जो हो रहा है, उसका कोई जवाब नहीं मिला। बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर अपना हमला जारी रखा, जिन्होंने लोकसभा में चुनाव सुधार पर बहस के दौरान कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना की थी।

पीएम मोदी और शाह के साथ बैठक में बोले राहुल- सीआईसी और सीवीसी की सूची में एससी, एसटी और ओबीसी से कोई नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तीन सदस्यीय चयन समिति की बैठक में बुधवार को नए मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्तों और एक विजिलेंस कमिश्नर की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई। बैठक के दौरान राहुल गांधी ने चयन प्रक्रिया और उम्मीदवार सूची पर गंभीर आपत्तियाँ दर्ज कराईं।

सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने बताया कि शॉर्टलिस्ट की गई सूची में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व लगभग न के बराबर है। उन्होंने बताया कि उन्होंने कई सप्ताह पहले सरकार से आवेदकों की जातीय संरचना का विवरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था, जो उन्हें बुधवार को उपलब्ध कराया गया। इस सूची के मुताबिक केवल सात प्रतिशत आवेदक ही पिछड़े समुदायों से थे और शॉर्टलिस्ट में केवल एक ही उम्मीदवार ऐसा था। राहुल ने इस असंतुलन को अस्वीकार्य बताया और बैठक में एक विस्तृत असहमति नोट सौंपा।

राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि सूचना के अधिकार कानून को लगातार कमजोर किया जा रहा है और शॉर्टलिस्ट किए गए कुछ उम्मीदवारों का पारदर्शिता का रिकॉर्ड संतोषजनक नहीं रहा है। उनका कहना था कि संवैधानिक और स्वायत्त संस्थाओं में नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान वंचित समूहों को व्यवस्थित रूप से बाहर रखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि उनकी आपत्ति के बाद उपलब्ध उम्मीदवारों में से योग्य नामों पर विचार करने को लेकर समिति में आंशिक सहमति बनी।

बैठक से एक दिन पहले राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा था कि चयन पैनल की बैठकों में विपक्ष की भूमिका औपचारिक भर रह गई है। उनके अनुसार, ÷एक तरफ प्रधानमंत्री और गृह मंत्री होते हैं, दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष। मेरी आवाज वहाँ सुनी ही नहीं जाती। जो वे तय करते हैं, वही होता है। उन्होंने यह टिप्पणी उन नियुक्तियों के संदर्भ में की जिनकी प्रक्रिया सीआईसी और सीवीसी की तर्ज पर ही है।

मुख्य सूचना आयुक्त का पद 13 सितंबर से खाली है, जब तत्कालीन सीआईसी हीरालाल समारिया सेवानिवृत्त हुए। सूचना आयोग में अधिकतम दस आयुक्तों के पद हैं, लेकिन वर्तमान में सिर्फ दो ही कार्यरत हैं जबकि आठ पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। यह पहला मौका नहीं है जब विपक्ष ने सीआईसी की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाए हों। 2023 में समारिया की नियुक्ति के समय भी विपक्षी सांसदों ने परामर्श की कमी का आरोप लगाया था। 2020 में पूर्व राजनयिक यशवर्धन कुमार सिन्हा और पत्रकार उदय महूरकर की नियुक्तियों का भी विरोध किया गया था, लेकिन आपत्तियों के बावजूद दोनों नियुक्तियाँ कर दी गई थीं। स्थिति यह दर्शाती है कि नियुक्ति प्रक्रिया पर असहमति और प्रतिनिधित्व का सवाल लगातार बना हुआ है, जबकि महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थाओं में पद लंबे समय से खाली पड़े हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com